सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास, टी20 में एसा करने वाले मात्र दूसरे भारतीय बन -पेज: 7

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुर: द फिल्म में हुई एंट्री -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 201 | गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ड्रग सिंडिकेट के खिलाफ एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, दाऊद इब्राहिम का करीबी दानिश चिकना गोवा से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के करीबी और ड्रग सिंडिकेट का प्रमुख दानिश मर्चेंट उर्फ दानिश चिकना को गोवा से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई टीम ने की और कहा जा रहा है कि इस गिरफ्तारी से दाऊद के ड्रग नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। एनसीबी की जानकारी के मुताबिक, दानिश चिकना मुंबई के डोंगरी इलाके में ड्रग फैक्ट्री चला रहा था और पूरे देश में ड्रग नेटवर्क मैनेज कर रहा था। उसका नाम पहले भी कई बार ड्रग्स के धंधे में आ चुका था। 2019 में एनसीबी ने डोंगरी में दाऊद की ड्रग फैक्ट्री पर छापा मारकर करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त की थी। यह फैक्ट्री सब्जी की दुकान की आड़ में चलाई जा रही थी। उस समय दानिश चिकना को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया था। कुछ समय जेल में रहने के बाद वह बाहर आया और फिर से ड्रग्स के धंधे में सक्रिय हो गया। सूत्रों के मुताबिक, दानिश चिकना दाऊद के पुराने साथी यूसुफ चिकना का बड़ा बेटा है। जांच एजेंसियों ने साफ किया है कि दाऊद से उसके करीबी रिश्ते हैं। पिछले कुछ महीनों से एनसीबी और मुंबई पुलिस दोनों उसे ढूंढ रही थीं। दानिश कई बार पुलिस को चकमा दे चुका था। लेकिन इस बार गोवा के एक होटल में उसके छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद एनसीबी ने अचानक छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि एनसीबी के अधिकारियों ने दानिश चिकना को गोवा से मुंबई लाने की तैयारी शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों को शक है कि उससे दाऊद इब्राहिम के ड्रग नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है। शुरुआती पूछताछ में दानिश से मुंबई में कई ड्रग तस्करी रैकेट, मनी ट्रांसफर नेटवर्क और डिस्ट्रीब्यूशन चेन के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है। इस कार्रवाई से दाऊद इब्राहिम के ड्रग साम्राज्य पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। इस गिरफ्तारी से पुलिस को मुंबई, गोवा, राजस्थान और गुजरात में फैले नेटवर्क के एक बड़े तार हाथ लगे हैं।

जुबीन गर्ग को अंतिम विदाई... उनकी अस्थियां ब्रह्मपुत्र नदी में विसर्जित की गई

गुवाहाटी (एजेंसी)। दिवंगत गायक जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने बुधवार को उनकी अस्थियां ब्रह्मपुत्र नदी में विसर्जित कीं। जुबीन गर्ग ने एक बार इच्छा जाहिर की थी कि उनके चले जाने पर उन्हें ब्रह्मपुत्र में विसर्जित किया जाए, जिसका सम्मान करते हुए यह रस्म पूरी की गई। अंतिम विदाई की यह रस्म गुवाहाटी के रचित घाट पर हुई, जहाँ परिवार के सदस्यों (बहन पाल्मी बोरठाकुर सहित), मीडिया और भारी संख्या में फैंस मौजूद थे। जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर, 2025 को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान एक दुर्घटना में हुआ था। मृत्यु का कारण पानी में दम घुटना बताया गया है। वहीं सीबीआई और असम की सीआईडी उनकी मृत्यु की जाँच कर रही हैं। जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म रोई रोई बिनाले जल्द ही रिलीज़ होने वाली है, जिसकी रिकॉर्डिंग वह अपने अंतिम दिनों में कर रहे थे। उनके प्रशंसक इस फिल्म का ज़ोरदार प्रचार कर रहे हैं, ताकि जुबीन गर्ग का सपना बड़े पर्दे तक पहुँच सके। यह प्रचार गाँवों से लेकर शहरों तक, सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक हो रहा है। कई सिनेमा हॉल के मालिक भी जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देने के लिए आगे आए हैं और फिल्म के प्रीमियर के आसपास विशेष स्क्रीनिंग और उनकी याद में कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं।

फांसी के इंतजार में काटी 12 साल की जेल, बरी होने पर मांगा मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट उन 3 व्यक्तियों की दायर रिट याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिन्होंने गलत सजा और मौत की सजा का दोष झेलने के बाद बरी होने पर मुआवजे की मांग की है। याची ने 12 साल जेल में बिताए और बाद में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरी किए गए। याचिकाकर्ता ने अपनी गलत गिरफ्तारी, अभियोजन और दोषसिद्धि के लिए मुआवजे की मांग की है। मुख्य याचिकाकर्ता 41 वर्षीय रामकिरत मुनिलाल गौड़ है, जो महाराष्ट्र राज्य से गलत दोषसिद्धि और बारह साल की कैद, जिसमें से छह वर्ष उन्होंने फांसी की सजा के इंतजार में बिताए। उन्होंने मुआवजा मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी करते समय पाया था कि उनकी दोषसिद्धि त्रुटिपूर्ण और दूषित जांच पर आधारित थी। पीठ ने मामले में 27 अक्टूबर को कहा कि हम भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से आग्रह करते हैं कि वह इस मामले में अदालत की सहायता करें। दूसरे याचिकाकर्ता तमिलनाडु के कट्टावेल्लई और उत्तर प्रदेश के संजय को भी हत्या व बलात्कार के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी जिन्हें बाद में सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया था। कट्टावेल्लई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गलत तरीके से कैद करने के मामलों में मुआवजा देने के लिए एक कानून होना चाहिए।

शिरडी दर्शन से लौटते साईं भक्तों की कार पलटी, 3 की मौत, 4 घायल

नासिक(एजेंसी)। शिरडी साईं बाबा के आशीर्वाद लेने आए भक्तों पर दैव ने कहर बरपा दिया। शिवरात इलाके में शिरडी दर्शन कर लौट रही फॉर्च्यूनर कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं। घटना रात के समय हुई। कार में सवार सात लोग शिरडी से घर लौट रहे थे। दो की मौके पर ही मौत, पांच घायलों को ग्रामीणों और पुलिस ने रेस्क्यू कर नासिक के निजी अस्पताल भेजा। रास्ते में एक और ने दम तोड़ा। बाकी चार का इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज से हादसे की वजह पता की जा रही है। प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही और नियंत्रण खोना मुख्य कारण लग रहा है। यह महाराष्ट्र में सड़क हादसों का दूसरा बड़ा मामला है। 18 अक्टूबर को वाशिम जिले के समृद्धी महामार्ग पर जऊलका पुलिस स्टेशन के पास इनोवा कार डिवाइडर से टकरा गई। कार मुंबई से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी दर्शन के लिए जा रही थी। इसमें सवार सभी म्यांमार के नागरिक थे।

बिहार चुनाव के पहले चरण में 2 प्रत्याशी 80 से ऊपर और 432 दागी मैदान में

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में दो प्रत्याशी ऐसे है जो 80 साल से ज्यादा आयू के हैं। जबकि 432 दागी प्रत्याशी चुनावी मैदान में दिख रहे हैं। बता दें पहले चरण के 121 विधानसभा क्षेत्रों में उतरे 1303 उम्मीदवारों में 40 फीसदी करोड़पति हैं। औसतन एक उम्मीदवार के पास 3.26 करोड़ रुपये की संपत्ति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल उम्मीदवारों में 36 फीसदी (463) की आयु 25 से 40 वर्ष के बीच की है। 51 फीसदी (669) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच बताई है। 13 प्रतिशत (169) उम्मीदवारों ने 61 से 80 वर्ष के बीच आयु घोषित की है। दो उम्मीदवारों की उम्र 80 वर्ष से भी अधिक है।

एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) और बिहार इलेक्शन वॉच ने पहले चरण के उम्मीदवारों के शपथ पत्र के आधार पर जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कुल 1314 में से 1303 उम्मीदवारों द्वारा घोषित वित्तीय, आपराधिक, शिक्षा, लिंग एवं अन्य विवरणों के आधार पर विश्लेषण किया गया है। चुनाव के पहले चरण में नौ फीसदी (121) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं। इस चरण में 432 दागी मैदान में हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी (651) उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक की है। 105 उम्मीदवार डिप्लोमाधारक, 105 साक्षर और आठ असाक्षर हैं। 40 फीसदी (519) उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता 5वीं से 12वीं के बीच की है।

कुल उम्मीदवारों में आठ फीसदी (103) के पास दस करोड़ से अधिक, जबकि सात फीसदी (93) के पास पांच से दस करोड़ रुपये की संपत्ति है। इनके अलावा 25 फीसदी (323) उम्मीदवारों के पास एक से पांच करोड़, 32 फीसदी (417) उम्मीदवारों के पास 20 लाख से एक करोड़ और 28 फीसदी (367) उम्मीदवारों के पास 20 लाख रुपये से भी कम की संपत्ति होने की जानकारी दी गयी है।

इस चरण में मुंगेर से भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय (170 करोड़ की संपत्ति) को सबसे धनी उम्मीदवार बताया गया है। दूसरे स्थान पर सीवान से निर्दलीय राजकिशोर गुप्ता (137 करोड़) और तीसरे स्थान पर मोकामा के जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह (100 करोड़) का नाम है। भाजपा के 48 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 11.30 करोड़, राजद के 70 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 10.37 करोड़, जदयू के 57 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 8.75 करोड़, कांग्रेस के 23 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 5.85 करोड़ रुपये और जन सुराज पार्टी के 114 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 5.72 करोड़ रुपये है।

गोवा में 34 अधिकारियों के तबादले पर सियासी घमासान, कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग के निर्देशों का हुआ उल्लंघन

पणजी (एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा गोवा समेत नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के तुरंत बाद राज्य सरकार द्वारा किए गए 34 अफसरों के तबादलों ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। गोवा कांग्रेस ने इन तबादलों को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने सोमवार को गोवा सिविल सेवा के 34 जूनियर स्केल अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया। अधिकारियों का कहना है कि यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है और कुछ अफसर नियुक्ति की प्रतीक्षा में थे। हालांकि, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर कहा कि तबादला किए गए कई अधिकारी चुनावी प्रक्रिया से जुड़े हैं, जिनमें डिप्टी कलेक्टर, मुख्य अधिकारी और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की घोषणा के बाद ऐसे तबादले चुनाव आयोग के मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन हैं, क्योंकि आयोग की पूर्व अनुमति के बिना चुनावी कार्यों से जुड़े अधिकारियों का स्थानांतरण नहीं किया जा सकता। पाटकर ने मांग की कि राज्य सरकार के इन अनियमित तबादलों को तत्काल रद्द किया जाए, ताकि गोवा में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय गोयल ने बताया कि तबादलों में कुछ निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी भी शामिल हैं और उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राज्य सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।

छठ महापर्व पर छाया मातम, बिहार में 83 लोगों की डूबने से हुई मौत

पटना (एजेंसी)। छठ महापर्व अकेले बिहार में 83 लोग हादसे का शिकार हुए और उनकी जान चली गई। अकेले पटना 9 लोगों की डूबने से मौत हुई है। इनमें अधिकतर की जान छठ घाट बनाते समय पैर फिसलने, नहाने या फिर अर्घ्य देते समय गहरे पानी में चले जाने से हुई है। मृतकों में दक्षिण बिहार से 34, कोसी-सीमांचल, पूर्वी बिहार के 30 और उत्तर बिहार के 19 लोग शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक पटना से सटे मोकामा में मरांची के बादपुर स्थित गंगा घाट पर मंगलवार सुबह करीब 6:30 गंगा स्नान के दौरान डूबने से रॉकी पासवान (21) की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रॉकी की बहन सपना ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार से कोहराम मच गया। बादपुर निवासी चूहा पासवान के पुत्र रॉकी गंगा में स्नान कर रहा था। तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। स्थानीय गोताखोर और एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद रॉकी पासवान का शव बरामद कर लिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही सपना कुमारी को हुई। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने तत्काल उसे मरांची स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रॉकी पासवान ने हाल ही में होमगार्ड का फिजिकल टेस्ट निकाला था और परिवार में खुशी का माहौल था।पटना जिले में गंगा स्नान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर 15 लोग डूब गए जिनमें नौ की मौत हो गई। मोकामा में तीन, बाढ़-बिहटा और खगौल में दो-दो की जान गई है। वहीं, मनेर में डूबे दो और अथमलगोला में एक युवक की तलाश जारी है। बाढ़ में तीन, खगौल में एक और गोपालपुर स्थित तालाब में डूबे युवक को बाहर निकाल एक घंटे सीपीआर देकर बचा लिया गया। वैशाली जिले के राघोपुर और महुआ में छठ घाट बनाने के बाद नहाने के दौरान डूबने से दो किशोर, महनार में एक छठव्रती, गोपालगंज जिले के भोरे थाने दुबे जिगना गांव में दो, औरंगाबाद दो, भोजपुर एक, बेगूसराय एक, नावानगर एक, रोहतास एक की मौत हो गई। छपरा में भी डूबने से एक की मौत हो गई। बाढ़ के जमुनीचक निवासी व्रती मुन्नी देवी (60) छठ पूजा के बाद गंगा घाट से लौटने के दौरान हार्ट अटैक आने से अचेत हो गई। परिजनों ने अनुमंडल अस्पताल में इलाज के लिए लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलने के बाद पुत्र और अन्य परिजन फूट-फूट कर रोने लगे।

अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय होने में लंबी देरी पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का पालन नहीं कर रही अदालतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल पैदा करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई इसतरह के केस हैं, जिसमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार होना चाहिए है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त कर सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है।

पीठ एक इसतरह के मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तब हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने की कोशिश में है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत, स्वास्थ्य आधार पर मिली सशर्त जमानत

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को आसाराम को बड़ी राहत देकर रेगुलर जमानत मंजूर कर दी है। यह फैसला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की डिवीजन बेंच ने दिया। आसाराम की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर नियमित जमानत याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर बुधवार को जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने आसाराम को उपचार और स्वास्थ्य संबंधी कारणों को देखकर राहत दी। बात दें कि आसाराम वर्तमान में जोधपुर की जेल में यौन शोषण के मामले में सजा काट रहे हैं। इससे पहले भी उन्हें कई बार अस्थायी जमानत दी गई थी और कई बार जमानत देने से इंकार किया था। लेकिन लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य और चिकित्सीय रिपोर्टों को देखने के बाद अदालत ने इस बार रेगुलर जमानत को मंजूरी दी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला शर्तों के साथ जमानत के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत आसाराम को इलाज के दौरान अदालत द्वारा तय नियमों का पालन करना होगा।

पंजाब के एक और रिटायर्ड पुलिस अफसर पर गिरी गाज, झूठा केस बनाने के मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिश्वत और झूठे मामले दर्ज करने के मामले में पंजाब के कई पुलिस अफसर निशाने पर आ गए हैं। पहले रिश्वत केस में डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर धरे गए अब पंजाब पुलिस के रिटायर्ड एसएसपी रशपाल सिंह को हेरोइन तस्करी से जुड़े एक मामले में स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया है। रशपाल सिंह दो साल पहले रिटायर हुए हैं। आठ साल पहले अमृतसर के एक व्यक्ति पर एक किलो हेरोइन का फर्जी केस दायर किया था। इसी मामले में रशपाल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। चार्जशीट में उनके अलावा इंस्पेक्टर सुखविंदर सिंह, सब इंस्पेक्टर प्रभजीत सिंह व बलविंदर सिंह, थानेदार कुलविंदर सिंह, थानेदार सुरजीत सिंह, थानेदार कुलबीर सिंह, थानेदार बेअंत सिंह, कुलवंत सिंह और हवलदार हीरा सिंह के नाम भी शामिल हैं।

रशपाल सिंह जब एसटीएफ चीफ थे तो उनकी टीम ने साल 2017 में गुरजंट सिंह उर्फ सोनू नाम के व्यक्ति से एक किलो हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने हेरोइन की यह खेप बलविंदर

सिंह के नाम पर दिखा दी और गुरजंट सिंह को रिहा कर दिया। पुलिस ने बलविंदर सिंह को फंसाने के लिए फर्जी कहानी बनाई थी। बलविंदर सिंह को रशपाल सिंह की टीम ने 3 अगस्त 2017 को सिविल अस्पताल पट्टी तरनतारन से गिरफ्तार किया था। बाद में उस पर एक किलो हेरोइन का केस दर्ज कर लिया था। उस पर पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने के भी आरोप लगाए गए। तीन अन्य आरोपियों के नाम मामले में जोड़ दिए थे।बलविंदर के खिलाफ सप्लीमेंट्री रिपोर्ट में बताया था कि भौर सिंह नाम के आरोपी के खेतों में हेरोइन की एक और खेप दबी है। इसके बाद पुलिस को खेत से चार किलो 530 ग्राम हेरोइन, एक पिस्टल, तीन मैगजीन और 56 कारतूस बरामद किए। पुलिस ने बलविंदर सिंह, मेजर सिंह और भौर सिंह के खिलाफ अमृतसर की अदालत में चार्जशीट पेश की। वहीं, बलविंदर सिंह के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की लेकिन इसमें गुरजंट सिंह का जिक्र नहीं था, जिससे शक गहरा गया। इस पर बलविंदर सिंह ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने नवंबर 2019 में मामले की जांच के लिए डीजीपी डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन प्रमोद बान को कहा। जांच में डीजीपी की तरफ से बलविंदर सिंह की कॉल डिटेल्स, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन का डाटा दिसंबर 2020 को हाईकोर्ट में दाखिल किया गया। कॉल डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सवाल खड़े हुए और जनवरी 2021 को हाईकोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में एसटीएफ के एआईजी रशपाल सिंह सहित 10 पुलिस कर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसके अलावा कुछ और अफसर भी बताए जा रहे हैं जो इस तरह के मामलों में निशाने पर हैं।

वोट बैंक के लिए देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है इंडिया गठबंधन : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन वोट बैंक के लिए देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।

पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बुधवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम के श्रीभूमि में कांग्रेस पार्टी की बैठक में पार्टी के बड़े नेता द्वारा बंगलादेश का राष्ट्रगान गाने पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की एक ही पहचान बन गयी है, 'जुबान पर संविधान, पर मन में वोट बैंक की दुकान'। उन्होंने कहा कि कल तक पाकिस्तान को अपना घर बताने वाली कांग्रेस अब बंगलादेश पर मेहरबान हो गयी है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की दुकान चलाने के लिये अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों और

रोहिंग्याओं का साथ देने के एजेंडे पर उतर आयी है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी लगातार कई वर्षों से बंगलादेशी घुसपैठियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इसी अभियान के तहत संप्रग के कार्यकाल में देश में करोड़ों घुसपैठियों को बसाने का काम किया गया। उन्होंने आगे कहा कि अब तो कांग्रेस पार्टी अपने मंच से बंगलादेश का राष्ट्र गान गाकर अपना समर्थन प्रकट करती है। पूनावाला ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस उस बंगलादेश का राष्ट्रगान गा रही है जिसने हमारे देश के उत्तर पूर्व भाग विशेषकर असम में अराजकता फैलाने की कोशिश की थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह घुसपैठिया प्रेम सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन के बाकी दल भी कर रहे हैं। इस होड़ में तृणमूल, कांग्रेस, द्रमुक सभी शामिल हैं। पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन के दलों में तुष्टिकरण और वोटबैंक के लिए ऐसा करने की होड़ लगी है। जिसके चलते कांग्रेस पार्टी अपने आधिकारिक मंच से घुसपैठियों का समर्थन करती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तृणमूल भी जंगलराज और शरिया का राज चाहती है। पश्चिम बंगाल में हिंसा करने वाले, दंगा करने वाले और जंगलराज बनाने वाले लोगों को ममता सरकार खुला संरक्षण देती है। प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं पर हमले और मेडिकल छात्रा से दुष्कर्म की घटना पर संविधान बचाने की बात करने वाले कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी एक शब्द भी नहीं बोलते हैं।

भारत और रूस अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस संयुक्त रूप से अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। यह मिसाइल मंजूरी के अंतिम चरण में है और ब्रह्मोस-2 को 2031 तक भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ब्रह्मोस-2 मौजूदा ब्रह्मोस मिसाइल का उन्नत संस्करण है, जो पहले से कहीं अधिक तेज, सटीक और तकनीकी रूप से आधुनिक होगी। ब्रह्मोस-2 मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर तक होगी और यह ध्वनि की गति से पांच गुना (मैक-5 से मैक-8) यानी करीब 8500 से 10,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकेगी। यह इतनी तेज गति से चलेगी कि किसी भी देश की मौजूदा मिसाइल डिफेंस प्रणाली के लिए ब्रह्मोस-2 को रोक पाना लगभग असंभव होगा। यह मिसाइल जमीन, समुद्र, हवा और पनडुब्बी से दागी जा सकेगी।

रूस परियोजना में स्क्रैमजेट इंजन तकनीक दे रहा है, जबकि भारत इसके सीकर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर-रोधी एवियोनिक्स सिस्टम विकसित कर रहा है। मिसाइल में 200 से 300 किलोग्राम का विस्फोटक वारहेड लगाया जाएगा, जो किसी भी सामरिक या सैन्य ठिकाने को पूरी तरह नष्ट करने में सक्षम होगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रह्मोस-2 के आने से भारत की रणनीतिक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। 1500 किमी की रेंज के चलते मिसाइल भारत से दागे जाने पर पूरा पाकिस्तान और चीन का करीब 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्र कवर कर सकेगी। उदाहरण के लिए, राजस्थान या गुजरात से लांच करने पर कराची, लाहौर, इस्लामाबाद और रावलपिंडी जैसे प्रमुख पाकिस्तानी शहर निशाने पर आने वाले है। जबकि अरुणाचल प्रदेश या लद्दाख से लांच करने पर चीन के तिब्बत, सिचुआन, कुनमिंग और शिनजियांग के सैन्य ठिकाने मिसाइल की रेंज में आ जाएंगे।

ब्रह्मोस-2 परियोजना की शुरुआत 2011 में हुई थी। इसके विकास में भारत की रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनीया प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। 2020 में डीआरडीओ ने हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसटीडीवी) का सफल परीक्षण किया था, जिसने ब्रह्मोस-2 के विकास को नई दिशा दी। रक्षा विश्लेषकों के अनुसार, इस मिसाइल की तैनाती के बाद भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बन जाएगा जिसके पास हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मिसाइल भारत की 'नो फर्स्ट यूज़' नीति को और विश्वसनीय बनाएगी तथा दुश्मन देशों के लिए एक प्रभावी डिटरेंस (रोकथाम क्षमता) साबित होगी।

संपादकीय

एसआईआर के विरोधाभास

चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। अंतिम एसआईआर 2002-04 में किया गया था। लंबे 21 सालों के बाद यह अभियान छेड़ा गया है, जाहिर है कि मतदाताओं की संख्या, छंटनी, पात्रता आदि में व्यापक परिवर्तन आए होंगे! एसआईआर के दूसरे चरण में 51 करोड़ से अधिक मतदाता शामिल होंगे। यह कवायद अंतिम सूची के साथ 7 फरवरी, 2026 को समाप्त होगी। भारत का संविधान अनुच्छेद 324 और 326 में चुनाव आयोग को विशेषाधिकार देता है कि वह निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र चुनाव कराए और समय-समय पर मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करता रहे। एसआईआर का दूसरा चरण उप्र से शुरू होगा, क्योंकि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। उप्र में अप्रैल-मई, 2027 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, लेकिन आयोग की प्राथमिकता पर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल राज्य और संघशासित क्षेत्र होंगे, जहां 2026 में चुनाव होने हैं। असम में भी 2026 में चुनाव होंगे, लेकिन उसे फिलहाल एसआईआर से अलग रखा गया है। असम के संदर्भ में अजीब विरोधाभास सामने आया है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा एसआईआर के पक्षधर हैं, लेकिन चुनाव आयोग असम में नागरिकता की स्थिति भिन्न मानता है। आयोग की दलील है चूंकि सर्वोच्च अदालत की देखरेख में असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर अदालत का फैसला अभी आना है, लिहाजा असम पर बाद में एसआईआर का आदेश जारी किया जाएगा। हकीकत यह है कि असम में एनआरसी के तहत जिन 19 लाख से अधिक लोगों की गणना की गई थी, उसमें 7 लाख से ज्यादा ही मुसलमान पाए गए। शेष 12 लाख से ज्यादा गैर-मुस्लिम थे। एनआरसी की यह कवायद 2019 में ही पूरी हो चुकी है, लेकिन सर्वोच्च अदालत का फैसला शेष है। इसी तरह शीर्ष अदालत के आदेशानुसार महाराष्ट्र में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय (बीएमसी) के चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस एसआईआर के पक्ष में हैं और उसे 'डॉक्टरिन' के तौर पर पेश कराना चाहते हैं, लेकिन चुनाव आयोग तैयार नहीं है।

चिंतन-मनन

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है 'यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावितः इसका अर्थ है,' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सड़क पर चिताओं का कारण बन रही है जुगाड़ वाली बसे

कांतिलाल मांडोत

अक्टूबर माह में बस में आग लगने और यात्रियों के जिन्दे जलने की घटना बढ़ती गई है।जयपुर में बस हाइटेंशन वाले तार से टकरा गईऔर बस में करंट दौड़ने से दो व्यक्ति जिन्दे जले और करीब दस व्यक्ति झुलस गए। जैसलमेर बस में आग लगने से 26 लोगो की मौत हुई।बहरहाल, बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।कुरनूल की चलती बस में आग लगने से दो व्यक्तियों की जलने से मृत्यु हो गई है।कुरनूल में स्लीपर बस में आग लगने से बस जलकर खाक हो गई।मध्य प्रदेश के अशोकनगर में बड़ा हादसा हुआ।आगरा लखनऊ मार्ग पर तेवरी टोलप्लाजा पर लगी भीषण आग से कई लोग झुलस गए और कई यात्रियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।बस में आग लगने की घटना थम नही रही है।इस महीने सर्वाधिक आग की घटना हुई है। और आग लगने से कई यात्री जिन्दे जल गए।बस में आग लगने की करुण और दुःखद घटनाओ में यात्रियों की मौते हुए है।झुलसे यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी और कुछ दिन बाद झुलसे व्यक्ति की मौत भी हो है। ऐसी घटना आखिरी घटना नही है।इसके पीछे रहे कारणों का पता चलना आवश्यक है।निजी बसे रखरखाव के अभाव और चालक की लापरवाही के कारण भी चलती बस में आग लगना और दुर्घनाग्रस्त होती है।चालक की गलतियों को नजरअंदाज नही किया जा सकता है।बसों में आग लगने की सिलसिलेवार कई घटनाओं में कही शॉर्ट सर्किट तो कही चालक की लापरवाही के कारण आग लगी है।जयपुर में हाईटेंशन लाइन के नीचेबस ले जाने और सिलेंडर में ब्लास्ट होने की वजह से आग लगी थी।यह मानव सर्जित घटना थी।देश मे वाहनों की दुर्घटनाओं में कई लोग हररोज जान गंवाते है।भारत मे हररोज सड़क दुर्घटना में सैकड़ो लोगो की मौत हो रही है।

कार दुर्घटनाएँ कई कारणों से हो सकती हैं, लेकिन कुछ कारक घातक टक्करों के उच्च प्रतिशत का कारण बनते हैं।

एनएचटीएसए के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल लगभग 29% सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के लिए तेज गति ज़िम्मेदार थी । इस तरह के खतरनाक व्यवहार को अक्सर लापरवाह ड्राइविंग के रूप में वगीकृत किया जाता है ।

गाड़ी चलाते समय टेक्स्ट मैसेज भेजना, रेडियो एडजस्ट करना या फोन पर बात करना सड़क से ध्यान भटका देता है।

सीडीसी के अनुसार , अकेले अमेरिका में ही ध्यान भटकाकर गाड़ी चलाने से हर साल 3,000 से ज्यादा मौतें होती हैं। लाल बत्ती पार करना भी ध्यान भटकाने से जुड़ा एक आम व्यवहार है जिससे जानलेवा दुर्घटनाएँ होती हैं।हमारे यहां लालबति चालू होते हुए भी वाहनचालक क्रॉस पार कर लेते है।यह गलत और आरटीओ के नियमों का उल्लंघन है।

बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है।

सीट बेल्ट जान बचाती हैं, फिर भी कई मौतें अनियंत्रित यात्रियों के कारण होती हैं।

बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। संघीय राजमार्ग प्रशासन (FHWA) के आंकड़ों के अनुसार, सभी दुर्घटनाओं में से 21% मौसम संबंधी होती हैं। यह समझना कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ कहाँ होती हैं, ड्राइवरों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में ज्यादा सतर्क रहने में मदद कर सकता है। सड़क सुरक्षा आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो प्रतिदिन लाखों लोगों को प्रभावित करता है। वाहनों की टक्करों से लेकर पैदल यात्रियों की दुर्घटनाओं तक, सड़क दुर्घटनाएँ जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं. सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। इसमें निर्धारित गति सीमा का पालन करना शामिल है, जो सड़क की स्थिति के अनुसार बनाई गई हैं और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा, ट्रैफिक सिग्नल और सड़क संकेतों का पालन करने से सड़क पर पूर्वानुमान बेहतर होता है, जिससे भ्रम और अप्रत्याशित मोड़ कम करने में मदद मिलती है। इन नियमों का पालन करके, चालक यातायात के समग्र सुचारू प्रवाह में योगदान देते हैं, दुर्घटनाओं की संभावना कम करते हैं और सभी सड़क उपयोगकताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाते हैं। सड़क पर संभावित खतरों को कम करने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहन चलाते समय सतर्क और सजग रहने से चालकों को अन्य सड़क उपयोगकताओं की गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिलती है,

दुर्घटनाओं की रोकथाम में वाहनों का नियमित और संपूर्ण रखरखाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ब्रेक, टायर और लाइट जैसे आवश्यक पुर्जों की नियमित जाँच और निरीक्षण के माध्यम से, चालक संभावित यांत्रिक समस्याओं की पहचान कर सकते हैं और उन्हें गंभीर खराबी में बदलने से पहले ही उनका समाधान कर सकते हैं।

व्यापक सड़क सुरक्षा शिक्षा का उद्देश्य ड्राइवरों, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों सहित सभी सड़क उपयोगकताओं तक पहुँचना होना चाहिए। सड़क सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, जैसे कि पैदल यात्रियों के लिए निर्दिष्ट क्रॉसिंग बिंदुओं का उपयोग करने का महत्व और विभिन्न सड़क उपयोगकताओं के बीच परस्पर सम्मान की आवश्यकता, शिक्षा सुरक्षा और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है।गति नियंत्रण के प्रभावी उपाय तेज गति से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक हैं। स्पीड बम्प और रंबल स्ट्रिप्स जैसे भौतिक ढाँचे लगाने से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में यातायात धीमा करने में मदद मिल सकती है, जबकि रणनीतिक रूप से लगाए गए स्पीड कैमरे एक निवारक और प्रवर्तन उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कानून प्रवर्तन पहलों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से गति सीमाओं का सख्ती से पालन, तेज गति से चलने वाले व्यवहारों को और हतोत्साहित कर सकता है, शराब या नशीली दवाओं के नशे में गाड़ी चलाने की प्रवृत्ति को कम करने पर केंद्रित शैक्षिक अभियान, नशे में गाड़ी चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और वैकल्पिक परिवहन विकल्पों तथा निर्धारित ड्राइवरों के बारे में जानकारी प्रदान करके, इन अभियानों का उद्देश्य नशे में गाड़ी चलाने की आदतों को हतोत्साहित करना है।

कब तक पराली रहेगी सियासत वाली

ऋतुपर्ण दवे

ठण्ड की दस्तक के साथ ही, धान की कटाई और पराली जलाई के बीचआई दिवाली पर खतरनाक स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पराली को ही जिम्मेदार ठहराने में पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पराली के चलते दोनों राज्यों के अलावा भी कई राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुलह के एक दूसरे को दोषी ठहरा, प्रदूषण से कैसे निपटेंगी? आसमान से निगरानी और लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानगी भरी है। सच है कि प्रदूषण की दमघोटू हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुतेरे लोगों में प्रदूषण को बरदास्त करने की क्षमता भी घटी है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालाकि इस बार दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की बात की जा रही है जो यह लिखे जाने तक दिखी नहीं। फिर भी देखना होगा यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर यह स्थाई विकल्प हो पाए, ऐसा लगता नहीं है।

इधर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते बरस,दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। बावजूद इसके तो काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अदालत में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लाजिमी थे जो हुए। फिलाहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुंचना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स(एएक्यूआई) इमरजेंसी स्थिति मानी जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब व आसपास तेजी से स्तर कब कहां पहुंच जाए कहना मुश्किल है। ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल एनसीआर बल्किदूसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकाबले वहां प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकिइसी मंगलवारलुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांकदर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों जो कि 27 अक्टूबर तक के हैं देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जोविश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 1,900 प्रतिशत अधिक है। इसी दिन बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली सहित नौ शहरों में यह 300 के पार है। वहीं देश में शिलांग की हवा सबसे साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77 प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बन पा रहे हैं।

समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट,वर्ल्डव्यू एनिमेशन,सेटेलाइट तस्वीरें,चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी केशोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है।

आखिर कैसी कोशिशें हैं किसालों साल से यह मसला बजाए सुलझने के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ भी करें लेकिन किसानों की भी तो अपनी समस्याएं हैं। संसाधनों की कमीं से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला ऋण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीदसकें? किसानों की अपनी मजबूरी है।

खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसानअगली फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जूझता है। दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त के चलते खासकर छोटे किसानअसमंजस में जानते-समझते मजबूरन पराली जलाने का अपराध करते हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। 1985 में भीआवाज उठी थी। जब कीर्ति नगर जैसेघने रिहायशी क्षेत्र मेंएक फटीलाइजर संयंत्र की जहरीली हवासे लोग बीमार होने लगे। तब एक वकील एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। हकीकत देखिए, सुनवाई के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसी

औरतीस हजारी कोर्ट के एक वकील की जान चली गई। कइयोंकी हालत बिगड़ी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरीन, सुपर क्लोरीन, ओलियम, फॉस्फेट जैसी जहरीलेउत्पाद बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने को मौलिक अधिकार बनाया। धरातल पर देखें तोसिवाय कागजी योजना बनाने, बैठकें और आखिर में आरोप-प्रत्यारोप सेज्यादा भला अब तक क्या हासिल हुआ है? न तमाम प्रभावित राज्य सरकारें और नही केन्द्र,पराली केदूसरे उपयोग किसानों कोसमझा पाया। क्लाउड सीडिंग से कृत्रिम बारिश की बातें करने वाली दिल्ली सरकार भी खतरनाक स्तर तक प्रदूषण से फौरी राहत हीदिला पाईजो कुछ देशों ने कर दिखाया। बजाए आपसी तू-तू, मैं-मैंके पराली संग्रहण, इसके व्यावसायिक उपयोगों पर पूरे साल चर्चा होती तो शायद जलाने की नौबत ही न आती। लगता नहीं कि पराली मुद्दा गंभीर जरूर है लेकिन निदान असंभव नहीं?काश, सरकारी तंत्र और हुक्मरान यह समझ पाते!

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरूआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तिगरी में ऐतिहासिक मेले को अर्धकुंभ के नाम से भी जाना जाता है : विपिन सागर

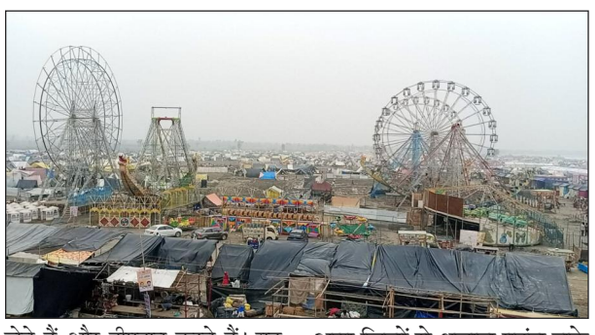

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा धनोरा के गजरौला ब्लॉक में लगने वाले ऐतिहासिक तिगरी मेले का इतिहास त्रेतायुग और महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह मेला त्रेतायुग में श्रवण कुमार के अपने नेत्रहीन माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराते समय यहां रुकने के कारण शुरू हुआ था। महाभारत काल में, पांडवों ने भी मृत सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए इसी स्थान पर दीपदान किया था, जिसके बाद से कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पहले दीपदान की परंपरा चली आ रही है। यह मेला कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगता है और लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं। श्रद्धालु गंगा आरती में भाग लेते हैं और दीपदान करते हैं। यह मेला धार्मिक महत्व के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का भी संगम है। इसमें व्यापारियों के स्टॉल, झूले और लोक कला का प्रदर्शन होता है। औद्योगिक क्षेत्र गजरौला के अंतर्गत आने वाले तिगरी गंगा धाम में लगने वाले ऐतिहासिक मेले में प्रदेश के अन्य जिलों से श्रद्धालु पहुंच चुके हैं और लगातार आ रहे हैं ग्रामीण क्षेत्र के लोग और किसान अपने अपने खेतों में गेहूं की फसल की बुवाई करने के बाद अब अपने ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार होकर मेले का आनंद लेने के लिए मेला स्थल पर पहुंच रहे हैं जहां पर उन्होंने अस्थाई तंबू लगाकर मेले का आनंद ले रहे हैं मेले पर हर प्रकार की दुकान धीरे-धीरे सज चुकी हैं बूढ़े जवान और बच्चों की भीड़ भी मेला स्थल पर इकट्ठी होने लगी है इतना ही नहीं बूढ़े तो वहां बैठकर हुक्का गुड़गुडा रहे हैं विपिन सागर ने मेले में आन वाले सभी श्रद्धालओं से निवेदन करते हए कहा कि श्रद्धाल स्नान करने के लिए गहरे पानी में ना जाएं क्योंकि गहरे पानी में खतरा हे ।अपने आप का ख्याल रखें। आने वाले सभी श्रद्धालओं से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मेले में गंदगी ना करें इसको स्वच्छ बनाए रखें । मेले में आने वाले सभी श्रद्धालूआं का एक बार पुनः स्वागत करते हैं

गांव पखरौला में कीचड़ गंदगी से लोग परेशान,ग्राम प्रधान से विकास की मांग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक क्षेत्र के गांव पखरौला में सड़कों पर भरी तमाम गंदगी और कीचड़ से ग्रामीण लोग काफी परेशान हैं, ग्रामीणों का कहना है कि गांव में नालियों का निर्माण नहीं हुआ है, जिसके कारण रास्तों पर लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गांव की सड़कें गंदगी और कीचड़ से इस तरह से अटी पड़ी है कि मानो रास्तों पर चल काफी सालों से विकास कार्य नहीं कराया गया हो,इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ,खासकर बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है। इसके अलावा जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत की है ,लेकिन उनकी शिकायतों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने और सड़कों पर निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है।

अंत्येष्टि स्थल निर्माण का हुआ भूमि पूजन

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को ग्राम पंचायत घंसूरपुर बामनिया के मजरा कोठीपुरा में नदी किनारे अंत्येष्टि स्थल का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरोहा ब्लॉक प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने अंत्येष्टि स्थल निर्माण का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। भाजपा सरकार ने जितना विकास कर दिखाया है। उतना विकास आज तक किसी सरकार में नहीं हुआ। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि भाजपा सरकार सभी वर्गो को समर्पित है। सभी समाज आज सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है। इसके अलावा उन्होंने गन्ना मूल्य वृद्धि पर सरकार की प्रशंसा की। कहा कि यह कदम किसान के बेहद लाभकारी साबित होगा। इस दौरान विकास खण्ड अधिकारी नीरज कुमार गर्ग, भाजपा जिला उपाध्यक्ष चौधरी भूप सिंह, ग्राम प्रधान संजय सिंह गुर्जर, ग्राम पंचायत अधिकारी योगेन्द्र सिंह, पंकज शर्मा, रामवीर सिंह, ग्राम प्रधान विजेंद्र सिंह, बोवी गुर्जर, संतोष सिंह गुर्जर, पप्पू सिंह गुर्जर, सुरेंद्र सिंह गुर्जर, शीशराम, विवेक तोमर, सोहित तोमर, राम सिंह गुर्जर, अनिल जिंदल आदि लोग मौजूद रहे।

जिले की सभी गौशालाओं में धूमधाम से मनाई गई गोष्ठमी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में गोष्ठमी का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। जिले की सभी गौशालाओं और गोसंरक्षण केंद्रों में गोपूजन का आयोजन किया गया, जिसमें गोवंश को गुड़, केले और अन्य पौष्टिक आहार खिलाकर पूजा-अर्चना की गई। यह पर्व गोमाता की रक्षा और संवर्धन के प्रति लोगों की आस्था को दशार्ता है।विशेष रूप से विकासखंड गंगेश्वरी के ग्राम सांथलपुर में संचालित वृहद गोसंरक्षण केंद्र में भव्य गोपूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त, पशुधन प्रसार अधिकारी नेमपाल सिंह, ग्राम प्रधान अनिल कुमार, केयरटेकर और ग्राम पंचायत सचिव कृपाल सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। गोवंश को गुड़ और केले खिलाकर पूजन किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।इसी क्रम में जनपद की अन्य सभी गौआश्रम स्थलों पर भी गोपूजन संपन्न हुआ। गोवंशों को गुड़, चना और हरा चारा खिलाया गया। आयोजन के दौरान आम जनमानस को गौशालाओं में दान देने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि गोसंरक्षण कार्य और मजबूत हो सके। लोगों ने बढ़-चढ़कर दान की अपील का स्वागत किया। कार्यक्रम की विशेषता रही प्रमुख सचिव पशुधन का वीडियो कॉल के माध्यम से निरीक्षण। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से गोआश्रय स्थल सांथलपुर का जायजा लिया। निरीक्षण में खरंजा की मरम्मत, मानक अनुरूप हरा चारा, भूसा और स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। इससे गौशालाओं के रखरखाव में सुधार की उम्मीद जगी।यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि गोसंरक्षण की दिशा में सरकारी प्रयासों को बल प्रदान करता है।

अमरोहा जिले में उर्वरकों की नहीं है कोई कमी: जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के किसानों को अवगत कराया गया है कि जनपद अमरोहा में उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा है। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने किसानों से अपील की है कि संतुलित मात्रा में वैज्ञानिकों की स्तुति के अनुसार जोत के आधार पर उर्वरक का प्रयोग करें। जनपद में 29 अक्टूबर 2025 को यूरिया 174670 कु. और डी.ए.पी 23100 कु. साथ ही एन.पी.के 35080 कु उपलब्ध है। साथी यह भी अवगत कराया गया कि अमरोहा जिले को एक डी.ए.पी रैंक कृभको कंपनी रैंक 17700 कु. 29 अक्टूबर को प्राप्त हुई है। इसी के अतिरिक्त यह भी अवगत कराया गया कि जनपद के सभी राजकीय कृषि बीज भंडारों पर गेहूं, सरसों, मटर, चना, मसूर का बीज उपलब्ध है। सभी किसान आवश्यक अभिलेख किसान पंजीकरण, खतौनी, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर के साथ राजकीय कृषि बीज भंडार पर जाकर बीज क्रय कर सकते है। 20 का वितरण पी.ओ.एस मशीन के माध्यम से वितरण किया जाएगा। उक्त के संबंध में किसी भी समस्या के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कृषक बंधु उक्त संदर्भ में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए उर्वरक हेतु 9627525825 ओर बीज संबंधित 9719330475 पर कॉल कर सकते है। इसी के साथ कृषक बंधु रवि सीजन के फसलों की बुवाई के समय बी शोध अवश्य कर लें बीज शोधन के लिए जनपद के सभी कृषि इकाइयों पर संपर्क कर सकते हैं कृषि रक्षा इकाई प्रत्येक विकासखंड पर स्थित है बीज शोधन हेतु किसी भी समस्या के लिए जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय में दिनेश कुमार के मोबाइल नंबर 9149305622 पर कॉल कर सकते है।

द आर्यन्स विद्यालय में अग्रिम सदन की लड़कियों ने जीती अंतर सदन क्रिकेट प्रतियोगिता

अमरोहा (सब का सपना):- जोया के द आर्यन्स में उल्लास और उत्साह से भरपूर वातावरण देखने को मिला, जब विद्यालय के खेल मैदान में गर्ल्स अंतर सदन क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों – अतुल्य सदन से अंशिका,गुनिका, अनन्या, खुशी, जानवी, तनिष्का, अलीशा, प्रिया, वंशिका, आलिया, श्रीजीका, मान्वी, आयशा, तथा अग्रिम सदन से मान्या, मानसी, शाफिया, दिशा, हना, लावन्या, हिबा, नेहा, कल्कि, सिमर, अनम, कनक, तथा अगम्य सदन से स्नेहा, उन्नति, देवांशी, ग्रेशी, मनस्वी, संस्कृति, सीजल, फरह, वृष्टि, अंशिका, मान्या, जीविका, सिम्मी, कशिश,और अपराजित से आरती, भावना, हर्षिता, अंशिका, आर्या, ओजस्वी, छवि, अवनी, अनाईशा, प्रत्याक्षी, भूमिका, अवनी, हिबा नाज, ताहूरा सुल्तान आदि ने प्रतिभाग किया। सभी टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेल भावना, अनुशासन तथा टीम समन्वय का अद्भुत परिचय दिया। फाइनल मैच अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें अग्रिम सदन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगम्य सदन को पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि – ह्लखेल न केवल शरीर को सशक्त बनाते हैं, बल्कि टीम भावना, नेतृत्व और धैर्य जैसी जीवन की मूलभूत गुणों को भी विकसित करते हैं ह्व कार्यक्रम का सफल संचालन खेल शिक्षक प्रणव मिश्रा व ऋषिका द्वारा किया गया और निर्णायक मंडल में प्रधानचार्य आदेश सिंह तथा जागृति कौशिक शामिल रहे। प्रतियोगिता का समापन विजेता टीम को ट्रॉफी और सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह तथा अनिल कुमार व निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के अजीत सिंह, ममता, जागृति कौशिक, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, अंजना, सतोष, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, विपिन कुमार, पूजा, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, शिवानी गुप्ता, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, हुमा बेबी आदि शिक्षक उपस्थित रहे '

पुलिस उपमहानिरीक्षक पी.ए.सी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया तिगरी मेले का निरीक्षण

अमरोहा(सब का सपना):- तिगरी मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं समुचित पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक पी.ए.सी मुरादाबाद शालिनी एवं पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा मेला क्षेत्र एवं घाटो का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक पी.ए.सी मुरादाबाद द्वारा कोतवाली मेला, विभिन्न घाटों, सेक्टरों, पार्किंग स्थलों एवं मुख्य मार्गों पर की गई बैरिकेडिंग व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, ड्यूटी प्वाइंट, प्रकाश व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग आदि के संबंध में पुलिसकर्मियो को दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक पी.ए.सी मुरादाबाद एवं पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेला जैसे विशाल आयोजन में अनुशासन, तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना या समस्या पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे मेला पूर्णतः सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बना रहे। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारी, कोतवाल मेला, सेक्टर प्रभारीगण, यातायात अधिकारी तथा अन्य पुलिस बल उपस्थित रहे।

हर घर में हो पानी की सप्लाई, टूटी सड़कों को तुरंत करवाएं दुरुस्तः- महबूब अली

अमरोहा (सब का सपना):-जनपद स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष व अमरोहा सदर विधायक महबूब अली की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में समिति की पहली बैठक हुई। जिसमें मनरेगा की प्रगति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन आदि कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान समूह गठन रिवाल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश, निधि बैंक क्रेडिट लीकेज आदि पर चर्चा के बाद अध्यक्ष ने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत और मनरेगा के तहत कराए जा रहे कार्यों की ब्लॉक बार दो-दो गांव की रेंडम जांच कराकर 15 दिन में रिपोर्ट पेश करने का अध्यक्ष ने निर्देश दिया। कहा है कि शासन से प्राप्त धन का सदुपयोग हो और किसी का शोषण नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि नियमों की अनदेखी न की जाए अनदेखी पर ब्लॉक प्रमुख सूचना दें। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 2025-26 में लक्षित समूह गठन रिवाल्विंग फंड लक्षित समूह को कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड की समीक्षा कर धन का उचित क्रियान्वयन करने व कराए गए विकास कार्यों का सत्यापन कर जिला विकास अधिकारी को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। गांव वार विधायक निधि के तहत आए प्रस्ताव व कराए गए कार्य की रिपोर्ट पेश करने का अध्यक्ष ने निर्देश दिया। जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत डीपीआर व निर्माणधीन योजनाओं की समीक्षा कर कहा कि यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है। प्रत्येक घर में पानी सप्लाई होनी चाहिए और पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की तुरंत मरम्मत की जाए। इसके लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर 15 दिन के अंदर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। इस अवसर पर सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने समिति के सभी निदेशों का पालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। इस दौरान नौगावां सादात विधानसभा के विधायक समरपाल सिंह, अमरोहा ब्लाक प्रमुख गुरेंद्र सिंह, जोया ब्लाक प्रमुख जुल्फिकार अली, हसनपुर ब्लाक प्रमुख ममता गुर्जर के अलावा डीडीओ सरिता द्विवेदी, डीपीआरओ पारुल सिसोदिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों को दी बड़ी सौगात - गन्ने का दाम में की 30रू बढोत्तरी

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के गन्ना किसानों को एक ऐतिहासिक उपहार देते हुए गन्ने का समर्थन मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया है. अगैती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 370 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति के गन्ने का मूल्य 360 रुपये से बढ़ाकर 390 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, की घोषणा की है। इस फैसले से प्रदेश के लाखों गन्ना किसानों में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई है। यह निर्णय सरकार की किसान-हितैषी नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है और किसानों की मेहनत को उचित सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला गन्ना अधिकारी, अमरोहा ने बताया कि ह्लगन्ने का मूल्य ड्ड30 प्रति क्विंटल बढाना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दूरदर्शी और किसान हितैषी निर्णय है। इस फैसले से जनपद अमरोहा सहित पूरे प्रदेश के किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा। किसान भाइयों में इस घोषणा से भारी प्रसन्नता है और सभी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस निर्णय से गन्ना उत्पादन को नई दिशा मिलेगी, किसानों की आय में वृद्धि होगी। "

4 सब का सपना हिंदी दैनिक
सम्भल /अमरोहा
अमरोहा
गुरुवार 30 अक्टूबर 2025
www.sabkasapna.com

झोलाछाप डॉक्टर का खेल,दांतों के अस्पताल की आड़ में किये जा रहे कई इलाज

संभल(सब का सपना):-जनपद के बहजोई कस्बे में नारायण टोला, गैस एजेंसी के सामने स्थित 'दांतों का अस्पताल' नामक क्लिनिक पर गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, डॉ. सौरभ गुप्ता (BDS) नामक चिकित्सक दंत चिकित्सा की आड़ में कई तरह के इलाज कर रहे हैं, मरीजों को इंजेक्शन देकर उनकी जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऊपर से दवाओं और टूथपेस्ट पर मनमाने दाम वसूलकर मोटी कमाई भी कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस पर कोई कार्रवाई न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस क्लिनिक पर दातों के अस्पताल के नाम से एक बोर्ड लगा हुआ है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। एक प्रभावित मरीज ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "मैं दांतों की जांच के लिए गया था, लेकिन डॉक्टर ने कई मर्ज की दवा थमा दी। 'शाय-एनएम' नामक टूथपेस्ट का प्रिंटेड रेट 351 रुपये है, जो बाजार में 300 रुपये से भी कम में मिल जाता है। ऑनलाइन भी यह 300 रुपये से कम उपलब्ध है।लेकिन क्लिनिक में पूछने पर डॉक्टर ने 350 रुपये ही बताए। जब बाजार से सस्ता माल लाकर दिखाया तो गर्म लहजे में बोले, 'हमारा रेट 350 ही है, कम में नहीं बेचते। लेना हो तो लो, वरना जाओ,आज के बाद हमारे पास कभी नहीं आना,यह व्यवहार न सिर्फ अपमानजनक था, बल्कि लूट का रूप साफ दिखा। मरीजों के अनुसार, यह क्लिनिक केवल दांतों का नहीं, बल्कि सामान्य बीमारियों का भी केंद्र बन चुका है। सूत्रों का कहना है कि यहां बिना योग्यता के इंजेक्शन लगाए जाते हैं, और अन्य उपचार भी किए जाते हैं। एक अन्य शिकायतकर्ता ने कहा, "डॉक्टर उल्टा-सीधा बोलकर गलत व्यवहार करते हैं। गरीब मरीजों का शोषण हो रहा है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग चुप्पी साधे है। क्या ये 'झोलाछाप' डॉक्टरों को संरक्षण मिला हुआ है। 'शाय-एनएम' टूथपेस्ट संवेदनशील दांतों के लिए जाना जाता है, जिसकी कीमत मार्केट में 300 रुपये है। लेकिन क्लिनिक में डिस्काउंट न देकर पूर्ण मूल्य (350)वसूला जाना इसी तरह अन्य दवाओं पर भी अधिक चार्ज लगाए जाते हैं, जिससे मरीजों की जेब कट रही है। इस संबंध में जब सीएमओ तरुण पाठक से बात की गई तो उन्होंने बताया मामले की जांच नोडल अधिकारी से कराई जाएगी

सट्टा और रंगदारी के आरोपी गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने दबोचा, गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज

हजरतनगर गढ़ी/संभल(सब का सपना):- कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सम्भल पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के कुख्यात अपराधी राजीव पुत्र बादाम सिंह (निवासी ग्राम पोटा) को 28 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी सिरसी-बिलारी तिराहे से मुरादाबाद रोड पर स्थित व्हाइट हाउस बैंकेट हॉल के पास सड़क किनारे से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, राजीव एक संगठित गिरोह का सदस्य है, जो सट्टे की खाई-बाडी चलाकर और सीधे-साधे लोगों को डरा-धमकाकर रंगदारी वसूलता था। गिरोह के सदस्य आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए यह अवैध धंधा चलाते थे, जिससे अपने और परिवार के भरण-पोषण की व्यवस्था करते थे। इनके आतंक से इलाके में जनता में भय का माहौल व्याप्त था। आरोपी कई मुकदमों में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी दौरान गश्त और चेकिंग के दौरान हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना हजरतनगर गढ़ी पर गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपराधियों पर लगाम कसने का अभियान जारी रहेगा, जिससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। यह कार्रवाई जिले में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

बंद अल्ट्रासाउंड सेंटर पर फिर छापा, अवैध जांच के सबूत मिले; संचालक पर कार्रवाई तय

सम्भल(सब का सपना):- ककस्बे में सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में मारे गए छापे में रोडवेज बस अड्डे के सामने स्थित वीनस अल्ट्रासाउंड सेंटर गुप्त रूप से अवैध जांच करता पकड़ा गया। यह सेंटर करीब छह माह पहले सील किया जा चुका था, लेकिन फिर से संचालित होने की सूचना पर कार्रवाई की गई। जांच में अक्टूबर माह की तिथियों वाली रिपोर्ट्स और एक चिकित्सक व आशा कार्यकर्ता के रैफरल विवरण मिलने से मिलीभगत के गंभीर सवाल उठ रहे हैं।kसिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सोनी को सेंटर के अवैध संचालन की गुप्त सूचना मिली थी। छापे के दौरान मौके पर मौजूद स्टाफ हक्का-बक्का रह गया। मजिस्ट्रेट ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज चौधरी को बुलवाया। डॉ. चौधरी ने सेंटर के रजिस्टरों की गहन जांच की, जिसमें कई मरीजों की अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट्स पर अक्टूबर की तिथियां अंकित मिलीं। एक अन्य रजिस्टर में रैफरल डिटेल्स दर्ज थे, जिनमें एक स्थानीय चिकित्सक और आशा कार्यकर्ता का नाम शामिल था। यह सेंटर पहले भी अवैध संचालन के लिए सील हो चुका था, लेकिन बंद होने के बावजूद मरीजों की जांच जारी रहना विभागीय लापरवाही और संभावित मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है। अभिलेखों की पुष्टि के बाद सेंटर को फिर से सीज कर दिया गया। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज चौधरी ने बताया कि"जांच में दोषी पाए जाने पर सेंटर संचालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज होगा।" इस कार्रवाई से शहर में अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर्स चलाने वालों में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग ने अन्य संदिग्ध सेंटर्स पर निगरानी बढ़ा दी है।

महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं, बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में 29 अक्टूबर को जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना चंदौसी का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

संभल(सब का सपना):- जनपद संभल के अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह ने थाना चंदौसी का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय, आगंतुक कक्ष, हवालात, बैरक, महिला हेल्प डेस्क, सीसीटीवी सिस्टम, शस्त्रागार, थाना परिसर, भोजनालय और सीसीटीएनएस कार्यालय आदि का गहन अवलोकन किया। साथ ही थाना कार्यालय के विभिन्न अभिलेखों की जांच की गई तथा उन्हें अद्यावधिक रखने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह, थाना प्रभारी चंदौसी मोहित चौधरी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाने की समग्र कार्यप्रणाली पर संतोष जताते हुए सुरक्षा और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया। यह निरीक्षण पुलिस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बहजोई में पुलिस स्मृति दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह

बहजोई/संभल(सब का सपना):- लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 21 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पूरे देश में मनाए जा रहे पुलिस स्मृति दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के क्रम में आज कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।kप्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) की बैंड टुकड़ी की मधुर और मार्मिक धुनों के बीच शहीदों की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की गई।

पुलिस प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल के जवान, पूर्व सैनिक और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय गान से हुई। इसके बाद दो मिनट का मौन रखा गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए सिर झुकाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लूट की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार, जुए में हारे पैसे का कर्ज चुकाने के लिए रची साजिश

बनियाठेर/सम्भल(सब का सपना):- थाना बनियाठेर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने पुलिस को लूट की झूठी सूचना देकर कर्जदारों से बचने की कोशिश की थी। आरोपी ने दिवाली पर जुए में हारे हुए पैसे का कर्ज चुकाने से बचने के लिए यह नाटक रचा था। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को मुकेश कुमार पुत्र भवानी सिंह, निवासी मौहल्ला हनुमान गढ़ी, थाना व कस्बा चन्दौसी, जनपद सम्भल ने थाना बनियाठेर पर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि शाम को बहतरी फाटक के पास खड़ा था, तभी तीन अज्ञात बाइक सवार व्यक्तियों ने चाकू की नोक पर उससे 96,500 रुपये लूट लिए और फरार हो गए। आपको बता दें घटना की जांच थानाध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की। जांच के दौरान घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, दुकानदारों और अन्य लोगों से पूछताछ की गई। किसी भी स्तर पर लूट की घटना की पुष्टि नहीं हुई। न तो कोई शोर-शराबा हुआ, न ही आरोपी को घटनास्थल पर आते-जाते देखा गया। सूचना भी किसी और को नहीं दी गई थी। घटना संदिग्ध लगने पर मुकेश कुमार से सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने कबूल किया कि दिवाली पर जुए में पैसे हार गया था। कर्ज चुकाने के लिए उसने लूट की झूठी कहानी गढ़ी, ताकि कर्जदारों को पैसे वापस न करने पड़े और पुलिस की मदद से बहाना बना सके। इस आधार पर थाना बनियाठेर पर मुकेश कुमार के खिलाफ झूठी सूचना देने का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

किराए पर गाड़ी लेकर फर्जी कागज तैयार कर बेचने वाले गिरोह का पुलिस ने किया पदार्फाश

अभियुक्तों के कब्जे से 06 कार (अनुमानित कीमत करीब 65 लाख रुपये) व फर्जी नम्बर प्लेट, आरसी व आधार कार्ड बरामद

डिडोली/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस द्वारा गाडियों को किराये पर लेकर कूटरचित नम्बर प्लेट व कागजात तैयार कर धोखाधडी कर बेचने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह के 02 अभियुक्त गिरफ्तार किये गये । जिनके कब्जे से 06 कार (अनुमानित कीमत करीब 65 लाख रुपये), 04 फर्जी नम्बर प्लेट, 02 फर्जी आरसी व 02 फर्जी आधार कार्ड बरामद किये गये । थाना डिडौली पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान चौधरपुर तालाब के पास से गाडियों को किराये पर लेकर कूटरचित नम्बर प्लेट व कागजात तैयार कर धोखाधडी कर बेचने वाले 02 अभियुक्त दीनदयाल पुत्र सूखा नि0 ग्राम मनोहरपुर थाना मझौला जनपद मुरादाबाद इंतल पुत्र गंगासरण नि0 ग्राम मझौला थाना गजरौला जनपद अमरोहा को 06 कार (03 बोलेरो ,01 स्कोर्पियो, 01 मारुति फ्रोन्कस,01 मारुति बलेनो) 04 फर्जी नम्बर प्लेट, 02 फर्जी आरसी व 02 फर्जी आधार कार्ड सहित गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त नरेन्द्र पुत्र भूपाल निवासी ग्राम गिन्नौरदामाफी थाना मझौला जनपद मुरादाबाद , उमेश पुत्र सागर सिंह निवासी मंगूपुरा थाना मझौला जिला मुरादाबाद, जीतू पुत्र इन्दर निवासी बुढनपुर थाना डिडौली जनपद अमरोहा, अंकित पुत्र गंगासरण नि0 ग्राम मझौला थाना गजरौला मौके से फरार हो गये। जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम प्रयासरत है। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना डिडौली पर मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । सभी गाडियाँ वर्ष 2023-2024-2025 मॉडल की है। पुलिस पूछताछ पर जानकारी हुई कि गिरफ्तार अभियुक्त अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गाडियों को किराये पर लेकर जनपद बदायूँ, सम्भल, मुरादाबाद, के लोगो को अपना शिकार बनाकर फर्जी नम्बर प्लेट व फर्जी आरसी बनाकर गाडी बेचते है।

योगी सरकार का किसानों को बड़ा तोहफा,गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि

योगी सरकार के द्वारा किसानों का गन्ने के रेट में ड्ड30 की वृद्धि स्वागत योग्य है। किसान जो अब गन्ने की खेती से मुंह मोड़ने लगा था वह अब गन्ने की खेती की ओर रुख करेगा और गन्ने की खेती पर भी विशेष ध्यान देगा।
अनुज नागर (जिला उपाध्यक्ष)

सरकार द्वारा गन्ना मूल्य में ड्ड30 की वृद्धि कर गन्ना मूल्य ड्ड400 प्रति कुंतल किया गया है ! जबकि उत्पादन लागत को देखते हुए कम से कम 450 रुपए गन्ना मूल्य होना चाहिए ! किसान काफी समय से आस लगाए बैठा था ! उसकी उम्मीदों पर पानी फिरा है ! किसान नेता - कामेन्द्र चौधरी
जिला अध्यक्ष संभल भारतीय किसान यूनियन (BRSS)

किसानों को सरकार से काफी उम्मीद थी जबकि सरकार ने मात्र ड्ड30 गन्ना वृद्धि करके किसानों की उम्मीद पर पानी फेरने का काम किया है जो कि सरासर गलत है ! किसान को उसकी लागत के हिसाब से फसल का मूल्य मिलना अति आवश्यक है ! 450 रुपए गन्ना मूल्य होना चाहिए ! युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा भारतीय किसान यूनियन (BRSS)

गन्ना मूल्य में प्रदेश सरकार द्वारा 30 प्रति कुंतल की व्रद्धि की गई हैं वह स्वागत योग्य हैं यह कदम सकारात्मक जरूर हैं लेकिन किसानों की वास्तविक उम्मीद बढ़ती लागत के हिसाब से बढ़ोतरी वेहद कम है डीजल खाद बीज रासायनिक दवाएं मजदूरी परिवहन की कीमतों में भारी वर्द्धि के बावजूद सरकार ने केवल 30 रुपये वर्द्धि की हैं जिससे किसानों को राहत नही मिल पाएगी गन्ने का मूल्य कम से कम 450 प्रति कुन्तल होना चाहिए था ताकि किसान अपने परिवार और खेती को सम्मान पूर्वक चला सके सरकार को किसानों की जमीनी हकीकत को देखते हुए उनकी महनत के हिसाब से सही मूल्य देना चाहिए गन्ना प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं
विजेंद्र सिंह यादव प्रदेश प्रमुख महासचिव/प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश भारतीय किसान यूनियन टिकैत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गन्ना किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसले के तहत, पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ने के राज्य सलाहकार मूल्य (SAP) में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा कर दी गई है। इस फैसले से प्रदेश के लगभग 46 लाख गन्ना किसानों को सीधा लाभ होगा, जबकि कुल अतिरिक्त भुगतान के रूप में करीब 3,000 करोड़ रुपये का फायदा पहुंचेगा। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि नई दरों के अनुसार, अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 370 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल तथा सामान्य प्रजाति के गन्ने का मूल्य 360 रुपये से बढ़ाकर 390 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। उन्होंने इसे किसान हितैषी फैसला बताते हुए कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में अन्नदाता किसानों की समृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। यह वृद्धि महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों से भी अधिक है।" किसान संगठनों ने लंबे समय से गन्ना मूल्य में वृद्धि की मांग की थी, जो महंगाई और उत्पादन लागत बढ़ने के कारण और भी प्रासंगिक हो गई थी। जनपद संभल में किसानों ने विशेष रूप से इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। स्थानीय किसान नेता रामवीर सिंह ने कहा कि"सरकार ने हमारी पुकार सुनी। यह वृद्धि न केवल हमारी आय बढ़ाएगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी।" संभल जिले में गन्ना उत्पादन प्रमुख फसल है, और यहां के हजारों किसान इस फैसले से सीधे प्रभावित होंगे। इसी तरह, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और मेरठ जैसे गन्ना बेल्ट वाले क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल है।

पटेल की जयंती को लेकर हुई बैठक, 21 नवम्बर को निकलेगी रैली

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर विधानसभा की बैठक बुधवार को कसया में विधायक पीएन पाठक के जनसंपर्क कार्यालय में हुई। इस दौरान लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर 21 नवंबर को कुशीनगर विधानसभा की निकलने वाली पदयात्रा की विस्तृत रुपरेखा तैयार की गई। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सरदार पटेल की 150 में जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया है।उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर पडरौना में बावली चौक से सुभाष चौक तक जिला स्तर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद नवम्बर महीने में प्रत्येक विधानसभा में अलग-अलग तिथियों में कम से कम 8 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकाली जाएगी जिसमें समाज के हर वर्ग का प्रतिभाग होगा।क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य देश की एकता और अखंडता के लिए लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को जन जन तक पहुंचाना है। यह पदयात्रा राष्ट्र निर्माण का अभियान होगा। सरदार पटेल जयंती समारोह के विधानसभा प्रभारी पूर्व विधायक पवन केडिया ने बताया कि कुशीनगर कुशीनगर विधानसभा की पदयात्रा 21 अगस्त को निकाली जाएगी। यात्रा पांच पड़ावों में पूरी होगी। उन्होंने बताया कि यात्रा पिपरा झाम से शुरू होगी और मंगलपुर,मुण्डेरा रतनपट्टी, कुशीनगर होते हुए बस स्टेशन कसया पहुंचेगी जहां जनसभा के साथ यात्रा का समापन होगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, जनजाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री राधेश्याम गोंड,जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल,जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, सोशल मीडिया जिला संयोजक शुभम दीक्षित,पूर्व जिला मंत्री अमित पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष आद्या पाण्डेय, राजेश राव, अमरजीत कुशवाहा,किन्नरेश चौबे, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, डॉ छेदी शर्मा, डॉ टीएन राव, डॉ अमृतांशु शुक्ल,शैलेन्द्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह राजीव सिंह रत्नेश श्रीवास्तव, विनोद गुप्ता आदि उपस्थित थे।

मलेरिया विभाग ने ग्राम पुसावली में चलाया सोर्स रिडक्शन अभियान

52 घरों में स्प्रे और जागरूकता कार्यक्रम

संभल(सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी संभल के निर्देशों के अनुपालन में मलेरिया विभाग ने ब्लॉक जुनावई के ग्राम पुसावली में मलेरिया रोगी के घर के आसपास सोर्स रिडक्शन की व्यापक कार्यवाही की। इस दौरान नालियों में लावीर्साइडल स्प्रे, घरों में स्पेस स्प्रे किया गया तथा ग्रामीणों को मच्छर जनित रोगों से बचाव की विस्तृत जानकारी दी गई। जांचे गए घर: 52, लार्वा पॉजिटिव घर: 00, जांचे गए कंटेनर: 95,लार्वा पॉजिटिव कंटेनर: 00, खाली कराए गए जलभरे कंटेनर: 06,जारी नोटिस: 00, स्पेस स्प्रे किए घर: 50 छिड़के गए कमरे: 100,अभियान के दौरान ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार, स्क्रब टाइफस और लैप्टोस्पायरोसिस जैसे रोगों से बचाव के उपाय बताए गए। उन्हें अवगत कराया गया कि ये मच्छर साफ और रुके हुए पानी में अंडे देते हैं, इसलिए घर के अंदर-बाहर पानी का भराव न होने दें। हर रविवार 'मच्छर पे वार' के तहत कूलर, फ्रिज की ट्रे और पौधों के पानी को बदलें तथा बर्तनों को रगड़कर साफ करें। स्क्रब टाइफस के बारे में बताया गया कि यह चूहों और छछूंदरों से फैलता है, इसलिए भोजन ढककर रखें और इनसे बचाव के उपाय अपनाएं। पशुपालन वाले घरों में लैप्टोस्पायरोसिस की जानकारी दी गई कि संक्रमित पशुओं के मल-पेशाब से यह रोग होता है, अतः पशु बांधने की जगह पर विशेष सफाई रखें। ग्रामीणों को मच्छरदानी का प्रयोग, खिड़कियों-दरवाजों पर जाली लगाने, पूरी आस्तीन के कपड़े और पैंट/पायजामा पहनने की सलाह दी गई। बुखार आने पर झोला-छाप डॉक्टरों से बचकर ग्राम के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर या सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जाएं तथा मलेरिया-डेंगू की जांच सरकारी अस्पताल में कराएं। यह अभियान मच्छर जनित रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिससे ग्रामवासी जागरूक होकर स्वच्छता अपनाने को प्रतिबद्ध हुए।

गोपाष्टमी महोत्सव में श्रद्धालुओं को किया गया पुस्तक और प्रसाद भेंट

संवाददाता
कुशीनगर। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी के अवसर पर गौतम बुद्धा फाउंडेशन द्वारा कसया नगर स्थित राम जानकी मठ मंदिर में गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन कर गौ संरक्षण का संकल्प लिया गया। बुधवार की सुबह फाउंडेशन के निर्देशक राजू जायसवाल के निर्देशन में आयोजित गोपाष्टमी मोहित्सव पर गौ पूजन कर गौ माता को टीका लगाया गया और अन्न, गुड, फल खिलाया गया। मुख्य आचार्य पंडित नन्द किशोर ने कथा सुनाते हुए बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन भगवान कृष्ण पहली बार गाय चराने के लिए गए थे। जिसके बाद से इस दिन को गोपाष्टमी त्योहार के रूप में मनाया जाने लगा। उसी दिन के बाद से हर वर्ष गोवर्धन पूजा के सात दिन बाद इस त्योहार को मनाने की परंपरा की शुरूआत हुई। इस दिन गौ माता और बछड़े की भी पूजा की जाती है। इन्द्रासन प्रसाद सन्त ने कहा कि गाय माता के शरीर में समस्त देवों का वास होता है। अतः गौ पूजा से सभी देवताओं की पूजा हो जाती है। सुरेश प्रसाद गुप्त ने कहा कि भारतीय संस्कृति ऋषि एवं कृषि संस्कृति है। ऋषियों ने सम्पूर्ण ज्ञान विज्ञान दिया वहीं गौ माता सम्पूर्ण कृषि का आधार हैं। संगोष्ठी को भारत विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डा चन्द्रभूषण सिंह विहिप के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने भी अपने विचार रखे। सामूहिक रूप से गौ माता की आरती की गई। सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को पुस्तक और प्रसाद भेंट किया गया। संस्था के निदेशक राजू जायसवाल ने सभी उपस्थित के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था सनातन धर्म, संस्कृति के उत्थान को लेकर विविध कार्यक्रम चला रही है और भविष्य में इन कार्यक्रमों को विस्तार दिया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष आद्या पाण्डेय, डा. निखिलेश्वर, लक्ष्मी जायसवाल, डॉ हरीओम मिश्रा, रवीन्द्र गुप्ता, आलोक, मदन मोहन अग्रहरि, रामजी, मोनू, रमाशंकर गुप्त, ममता कश्यप, विश्वनाथ दास,सत्यनारायण दास, मिथिलेश सिंह, राजकुमार अग्रवाल, निहारिका सिंह, पूनम, फन्नी मणि, मनीष चौरसिया, अभिषेक श्रीवास्तव, सोनू जायसवाल सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग में ब्लैकमेल के चलते की गई थी महिला की हत्या, पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया खुलासा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- थाना हसनपुर पुलिस व एसओजी/सर्विलांस टीम अमरोहा के द्वारा प्रेम-प्रसंग में ब्लैकमेल के चलते महिला की हत्या की घटना का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से आलाकत्ल चाकू, घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल, मृतका की चुन्नी व टूटा हुआ मोबाइल तथा अभियुक्त द्वारा घटना के समय पहने हुए कपडे बरामद किए गए हैं। ज्ञात रहे कि 28 अक्टूबर को ग्राम हथिया खेडा में एक 35 वर्षीय अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था जिसके गले पर धारदार हथियार से कट के निशान थे। बाद में महिला की शिनाख्त रीना उम्र करीब-35 वर्ष पत्नी कुंवरपाल निवासी मौ0 कोटपूर्वी थाना हसनपुर जनपद अमरोहा के रुप में हुई। थाना हसनपुर पुलिस द्वारा मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया तथा मृतका के पति कुंवरपाल पुत्र बाबूराम सैनी से प्राप्त तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा थाना हसनपुर पर पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक, अमरोहा द्वारा घटना के शीघ्र अनावरण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के कुशल पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी हसनपुर के नेतृत्व में थाना हसनपुर पर टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों एवं सर्विलांस के माध्यम से हत्या की घटना कारित करने वाले एक अभियुक्त सलीम पुत्र हफीज निवासी मौ0 कोर्ट पूर्वी मनिहारन कस्बा व थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को कस्बा धनौरा में होलीचौक से रेलवे स्टेशन को जाने वाले रास्ते पर दीनदयाल की परचून की दुकान के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सलीम की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक चाकू, घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल वढ23व3716 तथा मृतका की चुन्नी व टूटा हुआ मोबाइल तथा अभियुक्त द्वारा घटना के समय पहने हुए कपडे भी बरामद किये गये। वही जब पुलिस ने मामले की जानकारी की तो अभियुक्त ने बताया कि वह फड़ लगाकर रेडीमेड कपड़े बेचने का कार्य करता है। उसके मौहल्ले का रहने वाला मृतका का पुत्र रितिक उसकी दुकान पर काम करता था, इसी दौरान उसकी माता रीना उर्फ संगीता से आरोपी के अवैध सम्बन्ध हो गए। कुछ समय बाद रीना ने पैसों की मांग और ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वह कई बार उससे रुपये ले चुकी थी और उसके बाद भी वह लगातार रूपों की मांग कर रही थी। सबको सच बताने की धमकी दी। लगातार ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आरोपी ने हत्या की योजना बनाई। 27 अक्टूबर को शाम करीब 7.15 बजे आरोपी व मृतका मिले और आरोपी उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर हथियाखेड़ा के पास खेत में बने एक झोपड़े तक ले गया। वहां अंधेरे में मौका पाकर आरोपी ने रीना की गर्दन पर चाकू से वार कर हत्या कर दी, फिर उसका मोबाइल और चुन्नी उठाकर भाग गया। रास्ते में सरकारी नल पर हाथ और कपड़ों से खून धोया, घर लौट आया और अगले दिन खून लगे कपड़े, चाकू व चुन्नी को छोटे हाथी वाहन में छुपा दिया। धनौरा में आरोपी ने रीना का मोबाइल तोड़कर बैटरी झाड़ियों में और टूटा फोन नाले में फेंक देना की बात भी स्वीकार की है। वही घटना का अनावरण व अभियुक्त की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा 15,000/- रुपये नकद पुरस्कार से पुरुस्कृत किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

मिशन शक्ति के तहत किया गया चौपाल का आयोजन

संवाददाता
हमीरपुर। मिशन शक्ति 5.0 के तहत 17अक्टूबर से 3 नवंबर तक जागरुकता चौपाल अभियान के तहत जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश पर ग्राम हेलापुर, ब्लॉक सुमेरपुर में चौपाल का आयोजन किया गया, चौपाल में आंगनवाड़ी सहायिका ग्राम प्रधान के साथ मिलकर चाइल्ड हेल्प लाइन सहित महिला कल्याण विभाग की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के साथ ही जानकारी दी गई, वही चौपाल में कुछ महिलाओं ने शिकायत करते हुये कहा कि उन्हें सरकार की निराश्रित पेंशन का फायदा नहीं मिल रहा है।

एआरटीओ अमिताभ राय की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर मोरम के नौ ओवर लोड ट्रकों के खिलाफ की कार्यवाही

संवाददाता
हमीरपुर। सरीला तहसील के इछौरा झिटकिरी, ए०एन०बिल्डर बिल्डर के मोरम खण्ड--25/9 क्षेत्र में मोरम का ओवर लोड और अवैध परिवहन कर शासन प्रशासन को लाखों का चूना लगाने वाले ट्रकों के खिलाफ चला सख्त अभियान। अभियान से मोरम खण्ड संचालकों और ट्रक आपरेटरों में मचा हडकंप। एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट अमिताभ राय ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर परिवहन और खनिज विभाग की टीम ने मिलकर इछौरा झिटकिरी मोरम खण्ड--25/9 क्षेत्र में रात नौ बजे से लेकर सुबह चार बजे तक मोरम के ओवर लोड ट्रकों पर सख्त कार्यवाही करते हुये चार ओवरलोड ट्रकों को सीज कर जरिया थाने के सुपुर्द किया गया। जबकि दो ओवर लोड ट्रकों का चालान किया गया। वही बिंवार क्षेत्र में मोरम का एक ओवरलोड ट्रक सीज किया गया, जबकि मोरम के दो ओवरलोड ट्रकों का छानी क्षेत्र में चालान किया गया। एआरटीओ अमिताभ राय ने कहा कि मोरम का ओवर लोड और अवैध परिवहन किसी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। साथ ही मोरम के ओवरलोड और अवैध परिवहन करने वाले ट्रकों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

15 नवंबर तक श्रमिक करा लें अपना नवीनीकरण:श्रम प्रवर्तन अधिकारी

संवाददाता
कुशीनगर। उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (श्रम विभाग) के अन्तर्गत पंजीकृत एवं अद्यतन नवीनीकृत निर्माण श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, गम्भीर बीमारी सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना में निर्धारित पात्रता के अनुसार बोर्ड के पोर्टल www.upbocw.in पर आवेदन करने पर योजनाओं से लाभान्वित किया जाता है। उक्त जानकारी अलंकृता उपाध्याय श्रम प्रवर्तन अधिकारी कृते सहायक श्रम आयुक्त कुशीनगर ने जारी विज्ञप्ति में दी। कहा कि बोर्ड की योजनाओं में लाभ हेतु निर्माण श्रमिकों को अपना पंजीयन निर्धारित समय पर निर्धारित अंशदान पोर्टल पर जमा करने पर नवीनीकरण भी कराना पड़ता है। बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिक जिनका नवीनीकरण / अंशदान पिछले 04 वर्ष से लम्बित है और अभी तक अपना नवीनीकरण/अंशदान जमा नही किये है कृपया सहज जन सेवा केन्द्रों/upbocw पोर्टल के माध्यम से 15.11.2025 तक अपना नवीनीकरण अवश्य करा लें अन्यथा बोर्ड के निदेर्शानुसार उनका पंजीकरण स्वतः निष्क्रिय हो जायेगा।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, सूर्य को अर्ध्य देकर व्रतियों ने किया पारण

संवाददाता
कोन / सोनभद्र। लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन सोमवार को देर शाम हुई तेज बारिश भी श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी। भीगते हुए भी व्रती महिलाएं और उनके परिजन विभिन्न छठ घाटों पर पहुँचे और अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित कर परिवार की मंगलकामना की। सुबह से ही क्षेत्र के तमाम नदी तटों और सरोवरों झ बड़ाप, कचनरवा, कुड़वा, मिश्री, कोन आदि ग्रामों के छठ घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। व्रतधारी महिलाओं ने घुटने भर पानी में उतरकर सूर्यदेव की परिक्रमा करते हुए अर्घ्य अर्पित किया। निसंतान महिलाओं ने संतान प्राप्ति की मन्नत मांगी, जबकि अन्य व्रतियों ने अपने परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। अर्घ्य के उपरांत व्रतियों ने अपने-अपने वेदियों पर सूप रखकर घी के दीप जलाए और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। घाटों पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के वार्लटियर सेवा में जुटे रहे। दोपहर बाद कोन क्षेत्र में अचानक बारिश शुरू हो गई, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था इस बेमौसम बरसात पर भारी पड़ी। भीगते हुए ही व्रतियों ने तय समय पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। मंगलवार सुबह सूर्योदय से पहले ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी, पोखरा, तालाबों सहित विभिन्न घाटों पर पहुंच गए थे, जहां उन्होंने उगते सूर्य को जल अर्पित किया। वही स्थानीय पुलिस भी विभिन्न स्थानों समय-समय पर चक्रमण करते रहे। बतादें कि तालाबों और नदियों के घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे क्षेत्र में पारंपरिक भक्ति गीतों और छठ मइया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। वहीँ समाजसेवी बिहारी प्रसाद यादव ने बड़ाप में बढ़ चढ़कर भाग लिया और उन्होंने छठी मईया से प्रार्थना किया कि सभी की कामनाएं पूरी हो। इसी तरह कचनरवा में महापर्व छठ पूजा पर पर कांग्रेस कमेटी कचनरवा के न्याय पंचायत अध्यक्ष अखिलेश शर्मा ने व्रत रखकर परिवार की मंगलकामनाएं की। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष मदन गुप्ता एवं न्याय पंचायत कचनरवा के सभी कार्यकताओं ने शामिल होकर छठी मैया से प्रार्थना किया कि न्याय पंचायत अध्यक्ष की मनोकामना को पूर्ण करें।

संक्षिप्त समाचार

घर की सफाई नहीं की तो चंद्रप्रभा ने काट डाला पति का गला, अमेरिका में हुई गिरफ्तार

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना से हाल ही में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां राज्य के शार्लोट में घरेलू विवाद के बाद एक 44 वर्षीय भारतीय मूल की महिला ने कथित तौर पर अपने पति का गला काट दिया। जानकारी के मुताबिक घटना बीते 12 अक्टूबर को हुई। धारदार हथियार से चाकू से वार करने के आरोप में महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला की पहचान चंद्रप्रभा सिंह के रूप में हुई है। ङ्क्षक्षङ्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका की सहायक के रूप में काम करती थी। गिरफ्तारी वारंट के मुताबिक उस पर अवैध रूप से जानबूझकर, अपराधपूर्ण तरीके से किसी अन्य व्यक्ति पर हमले का आरोप लगाया गया है। उसका पति हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ और फिलहाल उसका इलाज जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पति-पत्नी के बीच मामली बात को लेकर बड़ा झगड़ा हो गया था। चंद्रप्रभा ने कहा कि उसके पति ने घर की सफाई करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद वह निराश हो गई। हालांकि उसने पुलिस को बताया कि जब वह नाश्ता बनाने लगी तो गलती से पति को चाकू लग गई। वहीं पति ने बताया कि चंद्रप्रभा ने उस पर जानबूझकर हमला किया, जिसके बाद उसमें 911 पर कॉल किया। आरोपी महिला को शुरूआत में एक मजिस्ट्रेट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि 13 अक्टूबर को अदालत में पेशी के दौरान उसे 10,000 डॉलर की जमानती राशि पर बेल मिल गई। फिलहाल महिला को जेल से रिहा कर दिया गया है लेकिन उसे घायल पति से कोई बातचीत ना करने का आदेश दिया गया है।

ब्रिटेन में एलजीबीटीक्यू+ सैनिकों को समर्पित पहला राष्ट्रीय स्मारक

लंदन, एजेंसी। किंग चार्ल्स तृतीय ने सोमवार को ब्रिटेन के पहले राष्ट्रीय स्मारक को समर्पित किया, जो एलजीबीटीक्यू+ (लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल और ट्रांसजेंडर) सैनिकों के सम्मान में बनाया गया है। यह समारोह मध्य इंग्लैंड के नेशनल मेमोरियल आर्बोरेटम में आयोजित हुआ। स्मारक को उन सैनिकों की याद में बनाया गया है जिन्हें 1967 से 2000 के बीच समलैंगिक या ट्रांसजेंडर होने के कारण सेना से निष्कासित कर दिया गया था। किंग चार्ल्स ने समारोह में फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। 1999 में यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय के आदेश के बाद ब्रिटेन ने सेना में समलैंगिकता पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था। 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस अन्याय के लिए औपचारिक माफी मांगी थी और पीड़ित सैनिकों को मुआवजा देने की योजना शुरू की थी।

डच सांसद की वजह से अप्रवासन मुद्दे पर नीदरलैंड में फिर चुनाव

एम्स्टर्डम , एजेंसी। नीदरलैंड में प्रवासी-विरोधी सांसद गीर्ट वाइल्डर्स के कारण नीदरलैंड में एक बार फिर अचानक चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, वाइल्डर्स ने अपने दक्षिणपंथी एजेंडे के चलते गठबंधन सरकार से अपने मंत्रियों को हटा दिया था, जिससे जून में फिर से चुनावों का एलान हुआ। अप्रवासन को नियंत्रित करने का मुद्दा इस बार नीदरलैंड चुनाव अभियान में हावी रहा है। हालांकि, एग्जिट पोल बताते हैं कि अगर वाइल्डर्स फिर से जीतते भी हैं, तब भी उनके के लिए बहुमत का गठबंधन बनाना मुश्किल होगा। वाइल्डर्स ने नीदरलैंड में अप्रवासन को पूरी तरह रोकने के लिए 10 सूत्रीय योजना पर ध्यान केंद्रित किया है। जर्मनी में प्रोफेसर लियोनी डी जोंग ने कहा है कि यह दूर-दक्षिणपंथ की वैश्विक बढ़ोतरी के अनुरूप है।

तिब्बती व्यक्ति को अमेरिका में दो साल से अधिक की जेल

ल्हासा, एजेंसी। तिब्बत के एक व्यक्ति को वित्तीय लाभ के लिए फर्जी शरण आवेदन जमा करने की साजिश में शामिल होने के लिए दो साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, तेनजिन नोरबू (56) को 27 महीने की जेल और 170,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भुगतान करने का आदेश दिया गया है। जांच से पता चला कि 2007 से 2018 के बीच, नोरबू ने अपने और कई अन्य लोगों के शरण आवेदन तैयार किए थे, जिनमें झूठी कहानियां गढ़ी गई थीं। जांच के दौरान नोरबू अमेरिका से कनाडा भाग गया था। लेकिन, पांच साल बाद उसे अमेरिका को सौंप दिया गया। कोर्ट के दस्तावेजों में कहा गया है कि यह मामला लगभग 100 लोगों को प्रभावित कर रहा है।

ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट करेगा जापान: अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री तकाइची से मुलाकात की

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान की नई प्रधानमंत्री साने तकाइची से टोक्यो के अकासाका पैलेस मुलाकात की। इस दौरान ट्रम्प ने जापान को अमेरिका का सबसे मजबूत सहयोगी बताया। साथ ही जापान की हर संभव मदद का ऐलान किया। तकाइची हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। दोनों के बीच बैठक में ट्रेड और सिक्योरिटी के मुद्दे पर बात हुई। तकाइची ने घोषणा की कि जापान, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर अगले साल 250 चेरी के पेड़ भेंट करेगा। साथ ही ट्रम्प को अगले साल नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट भी करेगा। ट्रम्प सोमवार को जापान पहुंचे थे, जहां उन्होंने सम्राट नारुहितो से मुलाकात की। ट्रम्प आज दोपहर तकाइची के साथ योकोसुका नौसैनिक अड्डे का दौरा करेंगे। यहां अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन तैनात है।

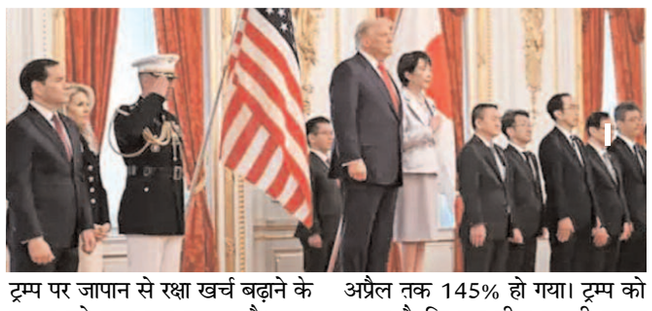

अमेरिका में 550 अरब डॉलर निवेश करेगा जापान : ट्रम्प और तकाइची ने मंगलवार को ट्रेड और रेयर अर्थ मिनरल्स से जुड़े दो अहम समझौतों पर साइन किए। व्यापार समझौते के तहत जापान, अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके बदले में अमेरिका, जापानी निर्यात पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। रेयर अर्थ मिनरल्स से जुड़े समझौते का मकसद इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन को मजबूत बनाना है। माना जा रहा है कि यह कदम ट्रम्प पर जापान से रक्षा खर्च बढ़ाने के दबाव को कम कर सकता है। ट्रम्प चाहते हैं कि जापान अपनी सेना पर ज्यादा पैसे खर्च करे। तकायची ने पिछले को बताया था कि जापान अपने रक्षा बजट को देश की जीडीपी का 2% तक बढ़ाएगा। बैठक के दौरान ट्रम्प और तकाइची ने दिवंगत जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे को भी याद किया। तकाइची ने ट्रम्प को आबे का गोल्फ क्लब गिफ्ट में देने की बात कही।

दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रम्प : जापान के बाद ट्रम्प दक्षिण कोरिया पहुंचेंगे। जहां वे एशिया-पेसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यहां पर उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होगी। ट्रम्प चीन से एक व्यापार समझौता करना चाहते हैं ताकि व्यापार युद्ध खत्म हो सके। इस समझौते में अमेरिकी सोयाबीन की खरीद, दुर्लभ मिट्टी के खनिजों पर प्रतिबंध हटाना और फेंटेनिल जैसी दवाओं के कच्चे माल पर नियंत्रण शामिल है। अमेरिका ने फरवरी 2025 में चीन पर 10% टैरिफ लगाया था, जो अप्रैल तक 145% हो गया। ट्रम्प को लगता है कि यह डील उनकी महान डीलमेकर की छवि को और मजबूत करेगी। ट्रम्प के मलेशिया पहुंचने से पहले अमेरिका और चीन के बड़े अधिकारियों ने शनिवार को कुआलालंपुर में ट्रेड वार्ता की। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ट्रेड वॉर रोकने और अगले हफ्ते दक्षिण कोरिया में होने वाले एशिया-पेसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात कराने की कोशिश कर रही हैं। यह बातचीत तब हुई जब ट्रम्प ने 1 नवंबर से चीनी सामानों पर 100% टैक्स लगाने और अन्य व्यापार नियम कड़े करने की धमकी दी थी। यह धमकी चीन की तरफ से कुछ खास खनिजों और मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाने के बाद आई थी। ट्रंप-तकाइची की मुलाकात में दिखे हल्के पल इस दौरान दोनों की बैठक के दौरान एक मजेदार लम्हा तब आया, जब ट्रंप ने तकाइची से हाथ मिलाया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह तो बहुत मजबूत हैंडशेक है। इस पर प्रधानमंत्री ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया और कहा कि उन्होंने कार्यक्रम से पहले अमेरिकी वर्ल्ड सीरीज का रोमांचक मैच देखा। तकाइची एलान किया कि जापान अगले वर्ष अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ पर 250 चेरी के पेड़ भेंट करेगा और आकीता प्रीफेक्चर से आतिशबाजी भी भेजेगा। अपने संबोधन में ताकाइची ने पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का जिक्र किया, जिन्हें वे अपना राजनीतिक मार्गदर्शक मानती हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री आबे अक्सर आपकी ऊर्जावान कूटनीति की तारीफ करते थे। ट्रंप ने भी ताकाइची की भूमिका को अहम बताते हुए कहा, जापान की मदद के लिए जो भी कर सकेंगे, हम करेंगे। हम सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी हैं।

इस बीच दोनों नेताओं ने व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। ट्रंप लगभग 550 अरब डॉलर के जापानी निवेश को अंतिम रूप देना चाहते हैं, जिससे अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तकाइची अमेरिकी कंपनी फोर्ड के स्न-150 ट्रकों की खरीद पर भी विचार कर रही हैं। ट्रंप लंबे समय से जापान की तरफ से अमेरिकी गाड़ियों के न खरीदे जाने की आलोचना करते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति मंगलवार को टोक्यो में अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन पर तैनात सैनिकों से भी मिलने वाले हैं। इससे पहले सोमवार को उन्होंने जापान के सम्राट से औपचारिक मुलाकात की थी।

आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति अलासाने औटारा चौथी बार चुने गए, शुरुआती नतीजों में 89.7% वोट से जीत

यामौसूकरो , एजेंसी। आइवरी कोस्ट के राष्ट्रपति अलासाने औटारा को चौथी बार देश का राष्ट्रपति चुना गया है। शुरुआती नतीजों के अनुसार, 83 वर्षीय औटारा को 89.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। रविवार को हुए चुनाव में मतदाता उपस्थिति कम रही और अबीजान की सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला। औटारा वर्ष 2011 से सत्ता में हैं और उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। हालांकि, विपक्ष ने उन पर सत्ता पर पकड़ मजबूत करने और लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए हैं। इस चुनाव में उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया गया था, जिससे औटारा की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। अंतिम नतीजे नवंबर की शुरुआत तक घोषित किए जा सकते हैं।

चीनी विदेश मंत्री ने रुबियो से बात की : चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की चीनी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस दौरान वांग ने कहा, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच लंबे समय से आदान-प्रदान और एक-दूसरे का सम्मान है। मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने शी और ट्रंप के संबंधों को चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे मूल्यवान रणनीतिक संपत्ति बताया। यह बातचीत बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन के दौरान शी और ट्रंप के बीच होने वाली संभावित बैठक से पहले हुई।

सोमवार की बातचीत के बारे में चीन की ओर से जारी बयान में सीधे तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि दोनों मिलेंगे, लेकिन व्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि वे मिलेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि रुबियो और वांग ने दोनों देशों के नेताओं के बीच अमेरिका-चीन संबंधों के महत्व और आगामी बैठक पर चर्चा की, हालांकि उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। दोनों देशों के वार्ताकारों ने सप्ताहांत में मलेशिया में मुलाकात की ताकि राष्ट्रपतियों के लिए सोयाबीन और टिकटॉक जैसे मुद्दों पर विचार करने हेतु एक रूपरेखा व्यापार समझौते पर बातचीत की जा सके। अपेक्षाकृत शांत अवधि के बाद हाल के हफ्तों में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव फिर से बढ़ गया है। बीजिंग अपने दुर्लभ मृदा नियंत्रण का विस्तार कर रहा है और वाशिंगटन चीनी जहाजों पर अतिरिक्त बंदरगाह शुल्क लगाने पर जोर दे रहा है।

मेटा ऑस्ट्रेलिया में देगा 270 करोड़ का मुआवजा, कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रकरण से जुड़ा है मामला

सिडनी, एजेंसी। मेटा ने ऑस्ट्रेलिया में फेसबुक उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता उल्लंघन से संबंधित मामले में पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 270 करोड़ रुपये) के मुआवजा फंड की घोषणा की है। यह ऑस्ट्रेलिया में गोपनीयता उल्लंघन के लिए अब तक का सबसे बड़ा भुगतान कार्यक्रम है। करीब 3.11 लाख ऑस्ट्रेलियाई फेसबुक उपयोगकर्ता इस फंड से मुआवजे के पात्र हैं। पात्र दावेदारों की दावा दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। इस तरह के भुगतान कार्यक्रम अमेरिका में पहले भी शुरू हो चुके हैं। यह मुआवजा कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें 2010 के दशक में ब्रिटेन की एक डाटा कंपनी ने दुनिया भर के 8.7 करोड़ फेसबुक प्रोफाइलों से निजी जानकारी एकत्रित की थी। अमेरिका में इस मामले में मेटा पर पांच अरब अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया गया था और 72.5 करोड़ डॉलर की मुआवजा योजना बनाई गई थी।

दिसंबर तक समाप्त होगी दावा संबंधी प्रक्रिया : 'दिस इज यॉर डिजिटल लाइफ' नामक एप के जरिये केवल 53 ऑस्ट्रेलियाई उपयोगकर्ताओं ने यह क्विज इंस्टॉल किया था। ऑस्ट्रेलियाई सूचना आयुक्त ने मेटा के साथ प्रवर्तनीय समझौते के तहत सहमति जताई थी। यह दावा प्रक्रिया 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगी।

कौन कर सकता है दावा : वे उपयोगकर्ता जो 2 नवंबर, 2013 से 17 दिसंबर, 2015 के बीच फेसबुक पर सक्रिय थे, उस अवधि में कम से कम 30 दिन ऑस्ट्रेलिया में रहे और या तो लाइफ एप इंस्टॉल किया था अथवा किसी ऐसे व्यक्ति के मित्र थे जिसने यह एप इंस्टॉल किया था, वे दावा करने के पात्र हैं।

फिलिस्तीन में सैनिक भेजेगा पाकिस्तान, गाजा के लिए गली-गली से जुटाया था चंदा

इस्लामाबाद, एजेंसी। गाजा में इजरायली हमलों को लेकर चिंतित रहने वाला पाकिस्तान अब वहां अपने सैनिक भेजेगा। पाकिस्तान की सरकार ने गाजा में बड़े पैमाने पर मदद भेजी थी। इसके अलावा इस्लामिक संगठनों ने गली-गली से चंदा और सहायता सामग्री जुटाई थी। अब पाकिस्तान की ओर से वहां सेना भेजने की भी तैयारी है, जो इंटरनेशनल स्टैबिलाइजेशन फोर्स का हिस्सा होगी। फिलहाल सरकार इसे लेकर विचार कर रही है। फिलहाल पाकिस्तान की सेना और सरकार के बीच इसे लेकर चर्चा चल रही है। फिलहाल खबर यही है कि पाकिस्तान की सरकार चाहती है कि हमारी सेना गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स का हिस्सा बने। गाजा जाने वाली फोर्स में ज्यादातर सैनिक मुस्लिम बहुल देशों के ही रहेंगे। इस फोर्स की जिम्मेदारी होगी कि आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखे। इसके अलावा यह भी तय किया जाए कि हमास निरस्त्रीकरण हो। वहीं बॉर्डर क्रॉसिंग की सुरक्षा और मानवीय सहायता को लोगों तक पहुंचाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा गाजा में तमाम इमारतों को दोबारा से बनाने करने की तैयारी है। इनकी निगरानी भी स्टेबिलाइजेशन फोर्स करेगी। अहम बात यह है कि अमेरिकी प्रशासन ने अपने सैनिकों को गाजा भेजने से इनकार किया है। फिलहाल अमेरिका की सलाह पर इंडोनेशिया, यूएई, मिस्र, कतर, तुर्की और अजरबैजान की ओर से सेनाएं भेजी जा रही हैं।

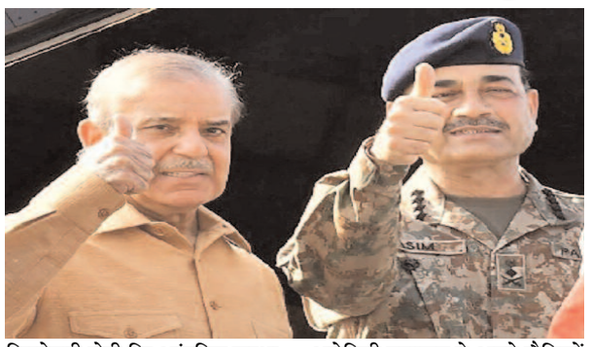

हालांकि इजरायल ने तुर्की के इस फोर्स में शामिल होने पर ऐतराज जताया है। इजरायल का कहना है कि यह सीधे तौर पर हमारे खिलाफ खड़े होना और चैलेंज करना है। रविवार को तो बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा ही था कि हम तय करेंगे कि किन देशों को गाजा में जाने की अनुमति मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने तुर्की के सुरक्षा बलों की भूमिका का विरोध करने की बात भी कही थी। ऐसे में देखना होगा कि तुर्की और पाकिस्तान जैसे देशों की ओर से गाजा में सेना भेजे जाने पर इजरायल का क्या रिएक्शन रहता है।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान इस बहाने इस्लामिक दुनिया में खुद को एक मजबूत मुल्क के तौर पर स्थापित करना चाहता है। सालों से पाकिस्तान इस्लामिक मुद्दों पर आक्रामक रहा है और गाजा एवं कश्मीर के मसले को यही रंग देने की उसकी कोशिश रही है।

क्या सच में टेस्ला को छोड़ देंगे मस्क? बोर्ड प्रमुख ने एक ट्रिलियन डॉलर की वेतन योजना पर चिंता जताई

ऑस्टिन (टेक्सास), एजेंसी। टेस्ला की बोर्ड प्रमुख रोबिन डेनहोम ने चेतावनी दी कि अगर शेयरधारक छह नवंबर को कंपनी की सालाना बैठक में एलन मस्क के प्रस्तावित एक ट्रिलियन की भुगतान योजना को स्वीकार नहीं करते हैं, तो मस्क कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अपने निवेशकों को लिखे पत्र में रोबिन डेनहोम ने कहा कि यह प्रदर्शन पर आधारित योजना मस्क को कम से कम अगले साढ़े सात वर्षों तकटेस्ला का नेतृत्व करते रहने के लिए बनाई गई।

उन्होंने कहा कि मस्क का नेतृत्व कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा पैकेज नहीं मिला जो उन्हें पद पर बने रहने के लिए प्रोत्साहित करे, तो टेस्ला उनके समय, प्रतिभा और दृष्टि को खो सकता है। उन्होंने आगे कहा, उनका योगदान महत्वपूर्ण है क्योंकि टेस्ला का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालित ड्राइविंग तकनीक में विस्तार करने का लक्ष्य रखा है।

रॉयटर्स के मुताबिक, प्रस्ताविक योजना के तहत अगर टेस्ला 8.5 ट्रिलियन डॉलर का बाजार मूल्य और स्वचालित प्रणाली व रोबोटिक्स में प्रगति जैसे बड़े लक्ष्यों को पूरा करता है, तो मस्क को 12 अलग-अलग हिस्सों में शेयर विकल्प दिए जाएंगे। डेनहोम ने कहा कि यह योजना कंपनी की सफलता और शेयरधारकों के लाभ के अनुसार मस्क को इनाम देगा। उन्होंने निवेशकों से तीन ऐसे निदेशकों को फिर से चुनने को कहा, जो लंबे समय से मस्क के साथ करीब से काम कर रहे हैं।

कुछ शेयरधारकों और विशेषज्ञों ने टेस्ला के बोर्ड की आलोचना की है। उनका मानना है कि बोर्ड मस्क से पूरी तरह स्वतंत्र नही था। इस साल की शुरुआत में डेलावेयर की एक अदालत ने यह कहते हुए मस्क का 2018 का भुगतान समझौता रद्द कर दिया कि इसे ऐसे निदेशकों ने संभाला जो पूरी तरह स्वतंत्र नहीं थे।

तीसरी बार चुनाव लड़ना पसंद करूंगा, मेरे पास बेहतरीन आंकड़े.., अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बयान

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2028 में तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों ने व्हाइट हाउस के पूर्व रणनीतिकार स्टीव बैनन के हालिया बयान के बारे में पूछा तो ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं ऐसा करना पसंद करूंगा। मेरे पास अब तक के सबसे बेहतरीन आंकड़े हैं। बैनन ने सुझाव दिया था कि ट्रंप को तीसरी बार चुनाव लड़ना चाहिए।

तीसरी बार चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार नहीं किया: ट्रंप : हालांकि, ट्रंप ने तुरंत यह भी कहा कि उन्होंने वास्तव में तीसरी बार चुनाव लड़ने को लेकर अभी तक गंभीर तक गंभीरता से विचार नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि उनके मौजूदा कार्यकाल के बाद रिपलब्लिकन पार्टी का नेतृत्व कौन कर सकता है। उन्होंने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के रूप में विदेश मंत्री मार्को रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का नाम लिया।

ट्रंप ने रूबियो और वेंस की जमकर तारीफ की : ट्रंप ने कहा, हमारे पास कुछ बहुत अच्छे लोग हैं। उन्होंने रूबियो की ओर इशारा करते हुए आगे कहा, हमारे पास शानदार लोग हैं। इस पर ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। उनमें से एक तो यहीं खड़े हैं। राष्ट्रपति ने अपने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, स्पष्ट है कि जेडी बहुत शानदार हैं। उपराष्ट्रपति बेहतरीन हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई इन दोनों के खिलाफ चुनाव लड़ेगा।

बैनन तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए ट्रंप को कर रहे प्रोत्साहित : राजनीतिक पत्रिका पॉलिटिको के मुताबिक, ट्रंप के करीबी सहयोगियों में से एक स्टीव बैनन लंबे समय से उन्हें तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने पॉडकास्ट में कहा था कि एक योजना तैयार की जा रही है, जिससे ट्रंप तीसरी बार चुनाव लड़ सकें। हालांकि, अमेरिकी संविधान के तहत कोई भी राष्ट्रपति केवल दो कार्यकाल तक ही पद पर रह सकता है।

एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंचे ट्रंप : इस बीच, ट्रंप अपने एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंच गए हैं। इससे पहले उन्होंने मलयेशिया की यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। कुआलालंपुर से रवाना होने से पहले उन्होंने मलयेशियाई अधिकारियों और नागरिकों को विदा कहा, जिससे उनका 24 घंटे का दौरा समाप्त हुआ। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अभी मलयेशिया से रवाना हो रहा हूं। यह एक शानदार और जीवंत देश है। यहां हमने बड़े व्यापारिक और दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ) समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सबसे अहम बात.. थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोई युद्ध नहीं! लाखों लोगों की जानें बचीं। यह काम पूरा करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान था।

पूर्वोत्तर राज्यों में साजिश रच रहा हाफिज सईद, करीबी ने डाला बांग्लादेश में डेरा; भारतीय सीमा पर एक्टिव

ढाका, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा संस्थापक और 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता हाफिज सईद का करीबी सहयोगी इब्तिसाम इलाही जहीर इन दिनों बांग्लादेश में बेहद सक्रिय है। सूत्रों के अनुसार, वह देश के कई संवेदनशील सीमावर्ती जिलों में जाकर भड़काऊ भाषण दे रहा है और कट्टरपंथी तत्वों से संपर्क स्थापित कर रहा है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, जहीर पाकिस्तान की मरकजी जमीयत अहले हदीस का महासचिव है। वह 25 अक्टूबर को ढाका पहुंचा। उसके बाद उसने राजशाही और चपाइनवाबगंज जैसे भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों का दौरा किया। इस सप्ताह वह रंगपुर जाने वाला है। यह जहीर की इस साल की दूसरी बांग्लादेश यात्रा है। फरवरी 2025 में भी वह एक हफ्ते से अधिक समय तक वहीं रहा था।

सीमा पर गतिविधियों से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क : भारत की सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जहीर की इस बार की यात्रा का एजेंडा बेहद चिंताजनक है। उसकी यात्रा में कई सीमावर्ती जिले शामिल हैं- रंगपुर, लालमोनिरहाट, नीलफामारी, जॉयपुरहाट और नागांव जहां वह स्थानीय धार्मिक समूहों से मिल रहा है। वह 6-7 नवंबर को राजशाही के पाबा उपजिला के डांगीपारा में होने वाले बड़े सलफी सम्मेलन में हिस्सा लेने वाला है। जहीर 8 नवंबर को पाकिस्तान लौटेगा।

भड़काऊ भाषण और भारत-विरोधी बयान : एक वीडियो में, जहीर को चपाइनवाबगंज में एक धार्मिक सभा के दौरान यह कहते सुना गया, इस्लाम के लिए खुद को और अपने बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार रहोज पाकिस्तान से बांग्लादेश तक सभी मुसलमान सेक्युलर ताकतों के खिलाफ एकजुट होंगे। उसने आगे कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा, कश्मीरियों को उनकी आजादी से वंचित किया जा रहा है। पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह कश्मीर में हो रहे अन्याय के खिलाफ मजबूत आवाज उठाए। अल्लाह की कृपा से वह दिन आएगा जब कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।

बांग्लादेश की स्थिति: हसीना के जाने के बाद बढ़ा कट्टरपंथ : अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में अंतरिम शासन चल रहा है, जिसकी अगुवाई अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अंतरिम शासन के दौरान चरमपंथी नेटवर्क को नई जगह और खुली गतिविधि का मौका मिला है, जिन्हें पहले हसीना सरकार ने कड़े नियंत्रण में रखा था। जहीर की यात्राओं और उसके भाषणों को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है।

हाफिज सईद और जाकिर नाइक से गहरे रिश्ते : इब्तिसाम इलाही जहीर न केवल हाफिज सईद का भरोसेमंद सहयोगी है, बल्कि वह भारतीय भगोड़े और कट्टरपंथी प्रचारक जाकिर नाइक के भी संपर्क में है। दोनों की मुलाकात अक्टूबर 2024 में पाकिस्तान में हुई थी। जहीर पिछले 24 वर्षों से हाफिज सईद, उसके साले अब्दुल रहमान मक्की (जो अब मारा जा चुका है), और लश्कर के सह-संस्थापक आमिर हमजा से जुड़ा हुआ है। उसकी अहले हदीस की विचारधारा पूरे दक्षिण एशिया में सलाफी नेटवर्क को वैचारिक आधार और धार्मिक वैधता देने का काम कर रही है।

स्थानीय नेटवर्क से संपर्क : ढाका में जहीर ने निब्रास इंटरनेशनल स्कूल के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अहले हदीस मूवमेंट बांग्लादेश के प्रमुख असदुल्लाह अल गालिब से मिलने की योजना भी बनाई है। यह वही संगठन है जिसे पहले चरमपंथी गतिविधियों से जुड़े आरोपों का सामना करना पड़ा था। सुरक्षा विश्लेषकों के अनुसार, यह गतिविधि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाने की बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकती है। बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाकों में सलफ़ी नेटवर्क की बढ़ती मौजूदगी, भारत के लिए सुरक्षा चुनौती बन सकती है।

अब तक सरकार की चुप्पी : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अब तक जहीर की यात्रा पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जबकि उसके भाषणों और सीमावर्ती गतिविधियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां पहले से सतर्क हैं।

महिला विश्वकप कप क्रिकेट सेमीफाइनल में आज होगा भारत और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां होने वाले महिला विश्वकप कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करेगी। इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसका कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है और उसके खिलाफ भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच हुए 60 मैचों में से 49 में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीती है जबकि केवल 11 में भारतीय टीम जीती है। भारतीय टीम अगर

सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है तो उसके लिए खिताब जीतना काफी आसान हो जाएगा। इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है पर इसके बाद भी अगर टीम बेहतर तरीके से खेले तो उसके पास ऑस्ट्रेलिया को हराने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम कोपहले दो मैच में जीत के बाद उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा हालांकि इसके बाद उसने अच्छी वापसी की और सेमीफाइनल में जगह बनायी हालांकि शानदार फार्म में चल हरी प्रतीका रावल के चोटिल होकर बाहर होने से उसे झटका लगा है। प्रतिका ने इस टूर्नामेंट में पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छी बल्लेबाजी की है।

वहीं अब भारतीय टीम को इस मैच में जीतने के लिए अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं रखनी होगी। प्रतिका की जगह शामिल शेफाली वर्मा कैसा प्रदर्शन करती हैं। इस पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शैफाली का रिकॉर्ड (25 पारियों में 37.20 की औसत से 893 रन) रावल और मंधाना के सलामी जोड़ी के रूप में 23 पारियों में 78.21 की औसत से 1,799 रनों से काफी कम है। शैफाली आक्रमक तो हैं पर पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इस मैच खेलना होगा कि शैफाली को उतारा जाता है या हरलीन देओल को सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा जाता है।

हरलीन ने भी सात मैचों में 75.11 की औसत से बिना किसी अर्धशतक के 169 रन

बनाए हैं और उनका रिकार्ड भी कुछ खास नहीं है पर वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करती हैं। इससे मंधाना को दूसरे छोर से रन बनाने का अवसर रहता हहै। वहीं पिच की बात करें तो यहां हो रही बारिश के बाद भी पिच बल्लेबाजी के अनुकूल है । ऐसे में बड़े स्कोर का पीछा करना किसी भी टीम के लिए कठिन होगा। इस मैच में स्पिनर राधा यादव को टीम में बनाए रखा जा सका है। इसका कारण है कि वह अच्छी क्षेत्र रक्षक हैं और अब तक उसकी गेंदबाजी भी प्रभावी रही है। वहीं दूसरी ओर स्पिनर स्नेहा राणा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। हरमनप्रीत अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है और इस बार वह बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगी।

भारतीय टीम को इस मैच में भी मंधाना से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगीहै। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में 60.83 की औसत से 365 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रदर्शन अब तक हर क्षेत्र में काफी अच्छा रहा है जिसे वह बनाये रखना चाहेगी। कप्तान एलिया हीली की वापसी से भी टीम का मनोबल बढ़ेगा। हीली ने इस टूर्नामेंट में काफी रन बनाये थे हालांकि फिट नहीं होने के कारण वह पिछले मैच से बाहर थीं1

· टीमें इस प्रकार हैं

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया = एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), एलिस पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, सोफी मोलिनक्स, एनाबेल सदरलैंड, डार्सी ब्राउन, मेगन स्कुट, जॉर्जिया वेयरहैम।

पेरिस मास्टर्स : बाहर हुए विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज, कैमरन नॉरी ने पलटा मैच का रुख

पेरिस (एजेंसी)। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज को पेरिस मास्टर्स 2025 के दूसरे दौर में बड़ा झटका लगा। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (रैंक 31) ने उन्हें तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। इस हार के साथ अल्काराज का मास्टर्स 1000 में 17 मैचों का जीत का सिलसिला थम गया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज पूरे मैच के दौरान अपनी लय पाने के लिए जूझते रहे। उन्होंने 54 अनफोर्स्ड एरर किए और कोर्ट की परिस्थितियों से भी असहज नजर आए। दूसरे सेट के दौरान वे अपने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से बार-बार बातचीत करते दिखाई दिए।

जीत के बाद उत्साहित नॉरी ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के नंबर-1 और इस समय के सबसे आत्मविश्वासी खिलाड़ी को हराना मेरे लिए अविश्वसनीय अनुभव है।'

मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'भावनात्मक रूप से यह मेरे लिए साल के सबसे खराब मैचों में से एक था। मियामी में हार शारीरिक समस्या के कारण थी, लेकिन इस बार मुझे किसी भी पल गेंद का एहसास नहीं हो रहा था।'

ओलंपिक रजत पदक विजेता अल्काराज के 11,340 अंक थे, जो अब घटकर 11,240 रह गए हैं। वहीं इटली के जैनिक सिनर 10,510 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। लगातार 44 हफ्तों से नंबर-1 पर काबिज अल्काराज अब ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां उन्हें खोए हुए अंक वापस पाने का मौका मिलेगा।

रोहित पहली बार आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रोहित पहली बार अपने करियर में नंबर एक पर पहुंचे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रोहित के रेटिंग पॉइंट्स अब 781 हो गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान के 764 रेटिंग अंक हैं। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण पिछड़ गये हैं। शुभमन के अब 745 रेटिंग अंक हैं। वहीं चौथे स्थान पर पाकिस्तान के बाबर आजम के 739 रेटिंग अंक हैं। वहीं विराट कोहली 725 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 अंकों के साथ डेरिल मिचेल पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि रोहित शर्मा ने 781 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी रोहित अपने करियर में पही बार नंबर एक पर आए हैं। एकदिवसीय विश्व कप 2019 में पांच शतक उन्होंने लगाए थे और तब उनके रेटिंग अंक 882 थे फिर भी वह नंबर एक पर नहीं पहुंचे थे।

38 साल के रोहित को लेकर कहा जा रहा था कि अब उनका करियर समाप्त हो चुका है पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक अर्धशतक और एक शतक लगाकर बता दिया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट है।

पहला टी20 बारिश की भेंट चढ़ा, अब मेलबर्न में होगी अगली टक्कर

कैनबरा (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को खेले जाने वाला पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया। मैच कैनबरा के मानुका ओवल मैदान में खेला जा रहा था, जहां बारिश ने दो बार खेल में बाधा डाली और अंततः मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया था। भारत ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन 5 ओवर के बाद बारिश ने खेल रोक दिया। कुछ देर बाद मुकाबला दोबारा शुरू हुआ और ओवर्स घटाकर 18 कर दिए गए।

हालांकि, मैच फिर से 10वें ओवर के दौरान बारिश के कारण बाधित हुआ। लगातार तेज़ बारिश के चलते अंपायरों ने हालात का जायजा लेने के बाद मुकाबले को रद्द घोषित कर दिया।

जब खेल रोका गया, तब भारतीय टीम ने 9.4 ओवर में 97 रन पर एक विकेट खो दिए थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (39 नाबाद) और शुभमन गिल (37 नाबाद) क्रीज पर मौजूद थे। भारत को एकमात्र झटका अभिषेक शर्मा (15 रन) के रूप में लगा, जिन्हें नाथन एलिस ने आउट किया। दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन लय में बल्लेबाजी की और 62 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। लेकिन मौसम ने मैच का रोमांच खत्म कर दिया। कैनबरा में लगातार होती बारिश के कारण आगे का खेल संभव नहीं हो सका और मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। इस तरह पांच मैचों की श्रृंखला में अब स्कोर 0-0 की बराबरी पर है।

अब दोनों टीमें 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) में होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। फैंस को उम्मीद है कि वहां मौसम साफ रहेगा और रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप : पाकिस्तान के नाम वापिस लेने के बाद ओमान टूर्नामेंट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को सूचित किया है कि वह तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने पिछले वर्ष जूनियर एशिया कप में क्वालीफाई किया था, लेकिन अब उसके हटने के बाद ओमान को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शामिल किया गया है। यह प्रतियोगिता 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक भारत के चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगी। ओमान को जूनियर एशिया कप 2024 में अगली सर्वोच्च स्थान वाली टीम होने के नाते इस टूर्नामेंट में जगह मिली है। पहली बार जूनियर हॉकी विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 24-24 टीमें भाग लेंगी। यह एफआईएच की 'सशक्तिकरण और सहभागिता रणनीति' के तहत वैश्विक स्तर पर हॉकी की पहुंच बढ़ाने का प्रयास है। गौरतलब है कि जर्मनी ने 2023 में मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए पिछले संस्करण का खिताब जीता था।

दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवार्ड्ट ने विश्व कप में बनाए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन, मिताली राज की बराबरी की

गुवाहाटी । दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट ने अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मिताली का 2022 वनडे वर्ल्ड कप करियर का आखिरी टूर्नामेंट बनाया था और उन्होंने 50 ओवर के वर्ल्ड कप में 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाकर अपने करियर का अंत किया था। वोलवार्ड्ट, जो एक नया बेंचमार्क बनाने के करीब थीं, उन्होंने अब बारसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान अपना 13वां 50+ स्कोर बनाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इस 26 साल की खिलाड़ी ने मौजूदा 2025 महिला वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में तीन हाफ-सेंचुरी बनाईं और बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे नॉकआउट मैच में इस सीजन का अपना चौथा 50+ स्कोर बनाया। यह प्रोटियाज बल्लेबाज मिताली राज के साथ इस खास लिस्ट में टॉप पर है जबकि डेबी हॉकले और शार्लोट एडवर्ड्स 12 और 11 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ अगले दो स्थानों पर हैं।

बड़े मुकाबलों में भी निडर होकर खेलने वाली टीम बनाना चाहते हैं गंभीर

केनबरा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने फैसलों के कारण हमेशा ही विवादों में रहे हैं। अब गंभीर ने कहा है कि उनका लक्ष्य सबसे सफल कोच बनना न होकर ऐसी टीम तैयार करना है जो बड़े मुकाबलों में निडर होकर खेले। गंभीर ने कहा, मेरी और कप्तान सूर्यकुमार यादव की पहली बातचीत में ही हमने तय कर लिया था कि हार का डर नहीं रखना है। मैं सबसे सफल नहीं, बल्कि सबसे निडर और आत्मविश्वास से भरी टीम बनाना चाहता हूं। यहां तक कि एशिया कप फाइनल में भीं भी मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि डर के नहीं उतरें। बल्कि उनका रुख ऐसा होना चाहिये कि जितना बड़ा मैच हो उतना आक्रामक होकर उतरें। मुख्य कोच ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, सूर्या बेहतरीन इंसान हैं और अच्छे इंसान ही अच्छे लीडर बनते हैं। वह खिलाड़ियों को पूरी आज़ादी देते हैं। पिछले डेढ़ साल से उन्होंने ड्रेसिंग रूम में जबरदस्त माहौल बनाए रखा है। गंभीर ने यह भी जोड़ा कि टीम का ध्यान जीत पर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आजादी से खेलने पर रहता है। उन्होंने कहा, मैदान पर गलतियां होंगी, पर डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि डरे हुए खिलाड़ी से विरोधी टीम को ही लाभ मिलता है। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम ने एशिया कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है पर टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में करारी हार का भी सामना भी करना पड़ा।

रियाल मैड्रिड के डिफेंडर डैनी कार्वाजल अब अगले साल ही वापसी करेंगे

मैड्रिड । रियाल मैड्रिड के डिफेंडर स्पेन के डैनी कार्वाजल चोटिल होने के कारण अब इस साल बचे हुए सत्र में नहीं खेल पाएंगे। कार्वाजल एफसी बार्सिलोना के खिलाफ हुए ला लीगा मैच में चोटिल हो गये थे। कार्वाजल के घुटने में चोट लगी है और उन्हें उससे उबरने में समय लगेगा। इस चोट के कारण अव वह अगले साल ही वापसी कर सकेंगे। रियाल मैड्रिड की मेडिकल टीम के अनुसार कार्वाजल की जांच मेंउनके दाहिने घुटने के जोड़ में एक हड्डी खिसक गयी है। इसलिए अब उनकी कहा आर्थोस्कोपी सर्जरी होगी। यह नई चोट स्पेन के इस खिलाड़ी के लिए एक बड़ा झटका है और इससे उनके अगले साल होने वाले विश्वकप में खेलने पर भी सवाल उठ रहे हैं। अगर वह तेजी से उबर जाते हैं तो भी इस साल उनके खेलने की संभावना नहीं है। इस दौरान टीम को 10 मैच उनके बिना ही खेलने होंगे। जिसमें ला लीगा के 7 और चैंपियंस लीग के तीन मैच शामिल हैं। वह पहले भी घुटने की चोट से परेशान रहे हैं। वह इससे पहले भी लिगामेंट फटने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहे थे। वहीं मैड्रिड को अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के मांसपेशियों की चोट से उबर जाने से राहत मिली है।

सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास, टी20 में एसा करने वाले मात्र दूसरे भारतीय बने

मेलबर्न(एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 छक्के पूरे करते हुए इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले रोहित शर्मा के बाद दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

पहले टी20 में सूर्यकुमार ने चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद बल्लेबाजी संभाली और शुभमन गिल के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने जोश हेजलवुड की गेंद पर पांचवें ओवर में पहला छक्का जड़ा, जबकि उनका 150वां छक्का नाथन एलिस के ओवर में आया। इसी के साथ उन्होंने अपने नाम एक नया कीर्तिमान दर्ज किया।

रोहित शर्मा के नाम फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 205 छक्के हैं। सूर्यकुमार यादव अब उस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रोहित को पीछे छोड़ने के लिए सूर्यकुमार को अभी लंबा सफर तय करना होगा।

इस उपलब्धि के साथ सूर्यकुमार ने निकोलस पूरन और ग्लेन मैक्सवेल को पछाड़ते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे अब केवल रोहित शर्मा (205), मुहम्मद वसीम (187), मार्टिन गप्टिल (173) और जोस बटलर (172) हैं।

बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और मुकाबला रद्द घोषित करना पड़ा। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमें आगामी दूसरे टी20 मैच की तैयारी में जुट गई हैं, जो 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्न्न्त्) में खेला जाएगा। टीम इंडिया को उम्मीद है कि सूर्यकुमार अपनी लय बरकरार रखेंगे और टीम को बढ़त दिलाएंगे।

अभिषेक भारतीय टीम के बड़े सितारे बनकर उभरेंगे : क्लार्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तीनो ही प्रारुपों में खेल सकते हैं। क्लार्क ने कहा कि टी20 से शुरुआत करने वाले अभिषेक का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से लगातार बेहतर होता आया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा है कि अभिषेक आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के एक बड़े सितारे बनकर उभरेंगे। अभिषेक की प्रशंसा करते हुए क्लार्क ने कहा कि उसने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वहीं अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को साबित करना है। साथ ही कहा, वह बाएं हाथ थ सलामी बल्लेबाज है और उसके पास सभी प्राकर के शॉट्स हैं। मैं देखना चाहता हूं कि वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ पांच मैचों की इस सीरीज में किसी प्रकार का प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि वह इस टी20 सीरीज़ के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। अभिषेक ने अब तक 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 849 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। एशिया कप 2025 में वह टूर्नामेंट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और भारतीय टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जिसस प्रकार से वह खेल रहे हैं उन्हें शीघ्र ही एकदिवसीय प्रारुप में भी जगह मिल सकती है।

अगरकर के साथ विवाद नहीं : शमी

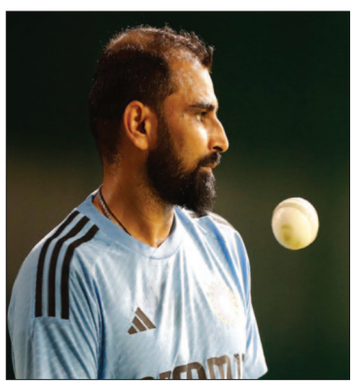

कोलकाता। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से उनके विवाद की बातें सही नहीं हैं। शमी ने कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया जिससे इस प्रकार की गलतफहमी पैदा हुइै। ये विवाद तब शुरु हुआ जब अगरकर ने कहा था कि उन्हें शमी की फिटनेस की जानकारी नहीं है। वहीं शमी ने मीडिया से कहा था कि जब वह रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं तो इसका

मतलब फिट होंगे ही। इसी के बाद से ही कहा जा रहा था कि चयनसमिति उनकी बयानबाजी से नाराज है। शमी ने रणजी ट्रॉफी 2025 में बंगाल की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों और करा जवाब दिया है। गुजरात के खिलाफ शमी ने आठ विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इसी के बाद शमी ने कहा कि मैं हमेशा किसी न किसी विवाद में आ जाता हैं जबकि मेरा ध्यान खेल पर है। हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है, और मैं भी वही चाहता हूं। मेरा काम है फिट रहना और प्रदर्शन करना। बाकि काम चयनसमिति का है। शमी ने चोट से वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के खिलाफ उन्होंने अपनी फिटनेस और लय दोनों साबित की। फर्स्ट-क्लास करियर में 13वीं बार उन्होंने पांच विकेट लिए हैं। रणजी सीजन में अब तक उन्होंने चार पारियों में 15 विकेट लिए हैं, औसत सिर्फ 10.46 का। वहीं बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा, 'मोहम्मद शमी को किसी से फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उनकी गेंदबाजी ही उनका प्रमाण है। वे पूरी तरह फिट और शानदार लय में हैं।'

मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूं: सुदर्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सीख रहे हैं। यह खब्बू बल्लेबाज अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की घरेलू श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए दो (चार दिवसीय) मैचों में खेलेगा।

सुदर्शन ने यहां दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूं। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं समझ रहा हूं कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूं और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, 'इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूं।' सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपकी खामियां जल्दी उजागर हो जाती है।

उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका (गेंदबाज) भी सामना करते है वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूं, शायद मैं इसे और निखार रहा हूं और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढ रहा हूं।'

दिलजीत के 'कुफर' गाने में ट्रोल होने पर मानुषी छिल्लर ने दिया करारा जवाब, बोलीं- 'मेरा नहीं तो कम से कम'

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद फिल्मों में आईं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। हालांकि, हाल ही में मानुषी सिंगर दिलजीत दोसांझ की 'औरा' एल्बम के नए गाने 'कुफर' में नजर आईं। ये गाना अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार ट्रेंड में बना हुआ है और लोगों को पसंद आ रहा है। गाने के वीडियो में मानुषी दिलजीत के साथ नजर आई हैं। दोनों की केमिस्ट्री भी फैंस को पसंद आ रही है। हालांकि, इस बीच जब एक यूजर ने मानुषी को ट्रोल किया, तो एक्ट्रेस ने बड़ी ही शालीनता से ट्रोलर को करारा जवाब दिया।

मानुषी ने दिया जवाब

मानुषी ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे ट्रोलर्स को उनका जवाब माना जा रहा है। मानुषी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरा नहीं, लेकिन क्या हम उस डांसर का सम्मान नहीं कर सकते जो बस अपना काम कर रही थी।' जाहिर है कि मानुषीने उनके डांस के लिए उन्हें ट्रोल करने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और डांसर का सम्मान करने की बात कही है।

आखिरी बार 'तेहरान' में नजर आई थीं मानुषी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में हिस्टोरिकल-ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' और 'मालिक' में नजर आई हैं। मानुषी आखिरी बार इसी साल आई जॉन अब्राहम की फिल्म 'तेहरान' में नजर आई थीं। हालांकि, मानुषी को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है।

'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे दिलजीत

दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपने ऑरा टूर में व्यस्त हैं। फिल्मों की बात करें तो दिलजीत अब 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी नजर आएंगे।

600 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंची 'कांतारा चैप्टर 1', 26वें दिन भी जुटाए इतने करोड़ रुपए

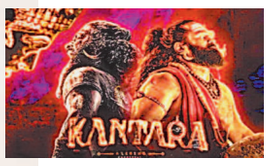

ऋषभ शेट्टी स्टारर 'कांतारा चैप्टर 1' धीरे-धीरे बॉक्स ऑफिस पर एक महीना पूरा करने के करीब है। 26 दिन बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबर हासिल कर रही है। अब फिल्म के 26वें दिन की भी कमाई सामने आ गई है। जानिए चौथे सोमवार को फिल्म ने किया कैसा प्रदर्शन? 'कांतारा चैप्टर 1' सिनेमाघरों में 26 दिन पूरे कर चुकी है। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। अब फिल्म ने 26वें दिन अपने चौथे सोमवार को भी 3.25 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 592.85 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुर: द फिल्म में हुई एंट्री

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुर: द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुर: द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े

पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

भावुक होकर मांगी माफी

बंद कमरे में करूर भगदड़ पीड़ितों से मिले विजय

अभिनेता-राजनेता विजय ने सोमवार को महाबलीपुरम में करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इस दुखद घटना के लिए उनसे माफी मांगी। करूर भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। यह बैठक भगदड़ के एक महीने बाद हुई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के सूत्र के मुताबिक करूर से कुल 37 परिवारों को बैठक स्थल पर लाया गया था। इन लोगों से विजय ने एक रिसॉर्ट में मुलाकात की जहां पार्टी ने लगभग 50 कमरे बुक किए थे। खबरों के मुताबिक विजय ने पीड़ित परिवारों को शिक्षा, स्वरोजगार और आवास के अलावा आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। परिवारों से मुलाकात के दौरान, विजय ने उन्हें महाबलीपुरम लाने के लिए उनसे माफी मांगी और कहा कि वह करूर नहीं जा सके क्योंकि उन्हें अधिकारियों से अनुमति नहीं मिल पाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही करूर में उनसे जरूर मिलेंगे।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफः लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं। मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

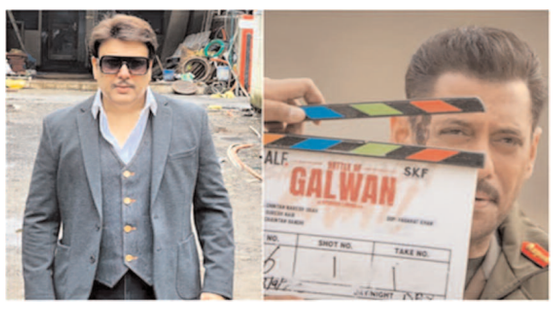

18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा !

18 साल बाद 'पार्टनर' एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दरअसल, सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म में अब 'बैटल ऑफ गलवां' में गोविंदा भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे। इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। पुरानी है सलमान और गोविंदा की दोस्ती

सलमान और गोविंदा दशकों से दोस्त हैं, उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी। गोविंदा अक्सर सलमान को अपने करियर को खराब दौर में फिर से पटरी पर लाने का श्रेय देते हैं। सलमान और गोविंदा आखिरी बार 'पार्टनर' फिल्म में नजर आए थे। दोनों इसके अलावा 'सलाम-ए-इश्क' में भी साथ में काम कर चुके हैं।

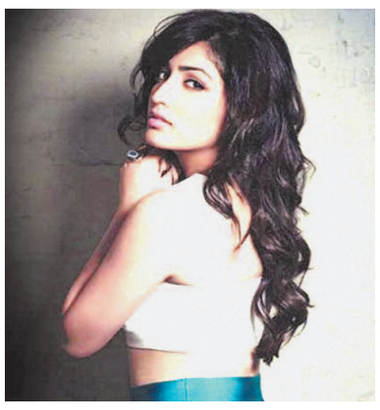

राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं।

यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था।

पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

बॉलीवुड और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।

अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू है और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं। अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार कैमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।